website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 240 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 08 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा जल्द, दोनों देशों के रिश्ते होंगे मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस महीने के अंत में भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। यह जानकारी रूसी मीडिया ने दी है, जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के रूस दौरे के दौरान दिए गए बयान का हवाला दिया।

मॉस्को में रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु से मुलाकात के दौरान डोभाल ने कहा, "हमारे बीच अब बहुत अच्छे संबंध स्थापित हो चुके हैं, जिन्हें हम काफी महत्व देते हैं। यह एक रणनीतिक साझेदारी है। हम उच्च स्तर पर संवाद कर रहे हैं। हमें यह जानकर खुशी हुई कि राष्ट्रपति पुतिन का भारत दौरा इस महीने के अंत में तय किया गया है।"

इससे पहले क्रेमलिन के सहायक यूरी उशाकोव ने भी पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर राष्ट्रपति पुतिन भारत आने वाले हैं। उन्होंने बताया कि यह वार्षिक द्विपक्षीय शिखर बैठक की परंपरा के तहत हो रहा है। उन्होंने कहा, "हमारे नेताओं के बीच हर साल मिलने का समझौता है। इस बार हमारी बारी है।"

गौरतलब है कि राष्ट्रपति पुतिन ने पिछली बार 6 दिसंबर 2021 को भारत का दौरा किया था, जब नई दिल्ली में 21वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले वर्ष दो बार रूस की यात्रा की थी। पहली जुलाई में 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में और दूसरी अक्टूबर में कजान में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने के लिए।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी मार्च में आयोजित सम्मेलन 'रूस और भारत: द्विपक्षीय संबंधों के लिए नया एजेंडा' में पुतिन की भारत यात्रा की पुष्टि करते हुए कहा था, "भारत और रूस के बीच राजनीतिक संवाद तेजी से विकसित हो रहा है। हमारे नेताओं का इसमें बड़ा योगदान है। अब राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तैयारियां चल रही हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि "हमारे देशों के संबंध समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और आज भी आपसी सम्मान और एक-दूसरे के हितों को ध्यान में रखते हुए समानता पर आधारित सहयोग जारी है।"

क्रेमलिन द्वारा जारी बयान में कहा गया था कि "रूसी और भारतीय संबंध रणनीतिक प्रकृति के हैं और किसी भी बाहरी प्रभाव से प्रभावित नहीं होते। ये सभी क्षेत्रों में गतिशील रूप से विकसित हो रहे हैं।"

प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस दौरान पुतिन को भारत आने के लिए आमंत्रित किया था, जिसे राष्ट्रपति पुतिन ने सहर्ष स्वीकार किया। हालांकि, राष्ट्रपति पुतिन के आमंत्रण के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी रूस में आयोजित विक्ट्री डे समारोह में शामिल नहीं हो सके थे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तक 2.2 लाख रुफटॉप सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए वर्ष 2026-27 तक प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना (PMSG: MBY) के तहत 2.2 लाख रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही राज्य ने घोषणा की है कि 31 दिसंबर तक सभी सरकारी भवनों को सौर ऊर्जा से लैस कर दिया जाएगा।

अब तक राज्य के 4,523 सरकारी भवनों का सर्वे किया जा चुका है, जिनमें 122 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता पहचानी गई है। इस योजना की समीक्षा आज गुरुवार को हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में की गई। बैठक में अधिकारियों ने योजना की प्रगति और तेजी से क्रियान्वयन के लिए रणनीति प्रस्तुत की।

मुख्य सचिव ने कहा कि "हरियाणा सिर्फ सौर ऊर्जा को बढ़ावा नहीं दे रहा, बल्कि इसे हर घर तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहा है।" सरकार ने सौर ऊर्जा को किफायती बनाने के लिए दोहरी सब्सिडी की व्यवस्था की है-एक केंद्रीय वित्तीय सहायता जो स्थापना स्वीकृति के 15 दिनों के भीतर सीधे उपभोक्ताओं के बैंक खाते में ट्रांसफर होती है, और दूसरी राज्य की ओर से 1 लाख अंत्योदय परिवारों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दी जाएगी। अब तक राज्य में 30,631 रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) ए.के. सिंह ने जानकारी दी कि राज्य की बिजली वितरण कंपनियां (DISCOMs) सोलर इंस्टॉलेशन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाओं पर काम कर रही हैं।

राज्य सरकार मध्यम वर्ग और सेवा वर्ग को भी इस योजना में शामिल करने के लिए संयुक्त प्रोत्साहन प्रदान कर रही है, जिससे उनके लिए भी सोलर सिस्टम लगवाना किफायती हो सके। इसके अलावा हरियाणा सरकार ने "मॉडल सोलर विलेज (MSV)" योजना की भी शुरुआत की है, जिसके तहत हर जिले के एक गांव को पूरी तरह सौर ऊर्जा आधारित आत्मनिर्भर गांव के रूप में विकसित किया जाएगा। 5,000 से अधिक आबादी वाले गांवों को इस योजना के तहत 1 करोड़ रुपये तक की केंद्रीय सहायता दी जा सकती है। गौरतलब है कि कैथल जिले का बालू गांव राज्य का पहला मॉडल सोलर गांव बन चुका है, जबकि करनाल और कुरुक्षेत्र जिलों में चयन की प्रक्रिया जारी है। इन गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट, घरेलू रोशनी, जल आपूर्ति और पंप जैसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

योजना के सुचारु संचालन के लिए राज्य की DISCOMs ने एक एकीकृत ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है और 280 से अधिक सबडिवीजन स्तर पर हेल्पडेस्क भी स्थापित किए हैं। इसके साथ ही, 703 DISCOM अधिकारियों और वेंडरों को NPTI और NIESBUD संस्थानों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा चुका है। यह व्यापक पहल हरियाणा को देश के अग्रणी सौर ऊर्जा राज्यों में शामिल करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी से मांगा शपथ पत्र, शुक्रवार तक दें जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पत्र लिखकर अपात्र मतदाताओं के जुड़े और पात्र मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप पर शपथ पत्र मांगा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी और कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को शुक्रवार 1 से 3 बजे तक मिलने का समय भी दिया है।

दरअसल, कर्नाटक चुनाव आयोग ने गुरुवार को राहुल गांधी द्वारा वोटर लिस्ट में धांधली के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी। कर्नाटक के चुनाव आयुक्त ने राहुल गांधी से अपात्र मतदाताओं के जुड़े और पात्र मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप पर शपथ पत्र मांगा है।

पत्र में कहा गया है कि कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने 8 अगस्त 2025 को सीईओ से मिलने और एक ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था, जिसके लिए दोपहर 1 से 3 बजे का समय निर्धारित किया गया है। सीईओ ने बताया कि मतदाता सूची को पारदर्शी तरीके से जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, मतदाता पंजीकरण नियम 1960 और चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार तैयार किया गया है।

पत्र के अनुसार, नवंबर 2024 में ड्राफ्ट मतदाता सूची और जनवरी 2025 में अंतिम मतदाता सूची कांग्रेस के साथ साझा की गई थी। इसके बाद कांग्रेस की ओर से कोई अपील या शिकायत दर्ज नहीं की गई।

सीईओ ने राहुल गांधी से अनुरोध किया है कि वे मतदाता सूची में शामिल या हटाए गए व्यक्तियों के नाम, पार्ट नंबर और सीरियल नंबर के साथ एक हलफनामा जमा करें ताकि आवश्यक कार्रवाई शुरू की जा सके। हलफनामे में यह भी घोषणा करनी होगी कि दी गई जानकारी सही है, और गलत जानकारी देने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि चुनाव परिणामों को केवल उच्च न्यायालय में चुनाव याचिका के माध्यम से चुनौती दी जा सकती है।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगा रहे हैं। हालांकि, इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान को भ्रामक, तथ्यहीन और धमकाने वाला बताया है।

धराली हादसे में 274 लोगों को बचाया गया

-राहत कार्य में जुटे 814 रेस्क्यू कर्मी

नई दिल्ली (एजेंसी) उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में आई आपदा के बाद से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मलबे के बीच फंसे लोगों की सकुशल वापसी के लिए सेना, वायुसेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशासन की टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं।

अब तक गंगोत्री और अन्य क्षेत्रों से कुल 274 लोगों को हर्षिल लाया गया

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी ताजा अपडेट के अनुसार अब तक गंगोत्री और अन्य क्षेत्रों से कुल 274 लोगों को हर्षिल लाया गया है, जिनमें गुजरात के 131, महाराष्ट्र के 123, मध्य प्रदेश के 21, उत्तर प्रदेश के 12, राजस्थान के 6, दिल्ली के 7, असम और कर्नाटक के 5-5, तेलंगाना के 3 और पंजाब का एक व्यक्ति शामिल हैं। सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं और इन्हें उत्तरकाशी या देहरादून भेजा जा रहा है।

वायुसेना के चिनूक और एमआई-17 सहित कुल 6 हेलीकॉप्टर रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे

रेस्क्यू ऑपरेशन में वायुसेना के चिनूक और एमआई-17 सहित कुल 6 हेलीकॉप्टर, राज्य सरकार की ओर से युकाड़ा द्वारा तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 2 अन्य हेलीकॉप्टर लगाए जा रहे हैं और अगले दिन से कुल 8 हेलीकॉप्टर को ऑपरेशन में लगाया जाएगा। सेना के एचएएल और चीता हेलीकॉप्टरों के जरिए भी सुबह 7 बजे से ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।

479 अधिकारी और सदस्य सक्रिय रूप से कार्यरत

रेस्क्यू और राहत कार्यों में 479 अधिकारी और सदस्य सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। इनमें राजपुताना रायफल्स के 150 जवान, सेना की घातक टीम के 12 सदस्य, एनडीआरएफ के 69, एसडीआरएफ के 50, आईटीबीपी के 130, पुलिस और वायरलेस के 15 अधिकारी, चिकित्सा टीम और अग्निशमन विभाग सहित प्रशासनिक अमला शामिल है।

इसके अलावा, राहत कार्य के लिए तैनात 814 अन्य सदस्य अलग-अलग स्थानों से रवाना किए गए हैं, जिनमें नेलांग से 40, आर्मी मेडिकल के 50, टोकला टीसीपी से 50, आगरा से स्पेशल फोर्स के 115, आईटीबीपी के 89, एनडीआरएफ के 160, एसडीआरएफ के 30 और पुलिस के 280 जवान शामिल हैं।

स्वास्थ्य सेवाएं

स्वास्थ्य सेवाओं की बात करें तो धराली में एक मेडिकल टीम, एक डॉक्टर, एक फार्मासिस्ट और एक एम्बुलेंस तैनात है। हर्षिल में 7 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम एसएमओ मेडिसिन के साथ कार्यरत है। मातली में आईटीबीपी के 2 डॉक्टर व स्वास्थ्य विभाग के 4 विशेषज्ञ और धर्मशाला उत्तरकाशी में 8 विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात किए गए हैं। कुल मिलाकर 294 बेड्स और 65 आईसीयू बेड्स की व्यवस्था की गई है।

230 लोगों का रेस्क्यू

अब तक 230 लोगों का रेस्क्यू किया गया है, जिनमें से 230 को हेलीकॉप्टर के माध्यम से जौलीग्रांट पहुंचाया गया है, जबकि अन्य को सड़क मार्ग से उनके गंतव्य तक भेजा जा रहा है। रेस्क्यू किए गए 13 घायलों को मातली अस्पताल लाया गया, जिनमें से 3 को गंभीर स्थिति में एम्स ऋषिकेश, 2 को मिलिट्री हॉस्पिटल देहरादून और 8 को जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी में भर्ती कराया गया है।

रेस्क्यू कार्य में जेसीबी, एस्कवेटर और डोजर सहित कुल 5 मशीनें कार्यरत हैं। गंगोत्री में अभी भी लगभग 400 लोग फंसे हुए हैं, जिन्हें आईटीबीपी द्वारा हर्षिल लाया जा रहा है और फिर वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए मातली पहुंचाया जा रहा है। अब तक 105 लोगों को हर्षिल से निकाला जा चुका है।

राहत कार्यों में तेजी

इस आपदा में अब तक 2 लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि 9 सैन्यकर्मी और 7 आम नागरिक अभी भी लापता हैं। राहत कार्य में तेजी लाने के लिए आईसीपी धराली अब फंक्शनल हो चुकी है और एनडीआरएफ का क्विक रिस्पॉन्स यूनिट भी सक्रिय किया जा रहा है। लोगों तक भोजन पहुंचाने के लिए 2,000 'रेडी टू इट' फूड पैकेट हर्षिल भेजे गए हैं। इसके अलावा, फूड एंड सप्लाई विभाग की ओर से नियमित रूप से सूखा राशन और अन्य खाद्य सामग्री भेजी जा रही है।

इस वर्ष अप्रैल तक 1.3 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक चिकित्सा उद्देश्यों के लिए आए भारत- केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने गुरुवार को संसद को बताया कि इस वर्ष अप्रैल तक 1.3 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक चिकित्सा उद्देश्यों के लिए भारत आए। एक लिखित उत्तर में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ग्लोबल वेलनेस टूरिज्म मार्केट में भारत की स्थिति सुधारने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, "अप्रैल 2025 तक इस अवधि के दौरान भारत में चिकित्सा उद्देश्यों के लिए आने वाले विदेशी पर्यटकों (एफटीए) की कुल संख्या 1,31,856 है।" उन्होंने आगे कहा, "यह इस अवधि के दौरान कुल एफटीए का लगभग 4.1 प्रतिशत है।" उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में चिकित्सा उद्देश्यों के लिए आने वाले एफटीए की संख्या में वृद्धि हुई है, जिनमें से अधिकांश बांग्लादेश, इराक, सोमालिया, ओमान और उज्बेकिस्तान से आते हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, "चिकित्सा उद्देश्यों के लिए एफटीए की संख्या 2020 में 1.8 लाख से बढ़कर 2024 में 6.4 लाख हो गई।"

हालांकि, 2023 की तुलना में 2024 में इसमें गिरावट आई। 2023 में विदेशी पर्यटकों की संख्या 6.5 लाख रही।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, "चिकित्सा पर्यटन के इकोसिस्टम में कई सेवा प्रदाता, सुविधा प्रदाता, अस्पताल, होटल और एयरलाइंस जैसी कमर्शियस एजेंसियां, नियामक एजेंसियां और सरकार शामिल हैं।"

इस वर्ष की शुरुआत में, केंद्रीय बजट में देश में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में 'हील इन इंडिया' अभियान की घोषणा की गई थी।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, "स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय 'हील इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से क्षमता निर्माण के लिए उचित उपाय करता है, जिसमें अस्पताल, सार्वजनिक संघ और व्यापार निकाय आदि शामिल हैं।"

इसके अलावा, चिकित्सा उपचार के लिए विदेशी नागरिकों के भारत आने की सुविधा के लिए, सरकार ने 171 देशों के नागरिकों के लिए ई-मेडिकल वीजा/ई-मेडिकल अटेंडेंट वीज़ा सुविधा का विस्तार किया है।

भारत में चिकित्सा पर्यटन का अनुमानित आकार लगभग 9 अरब डॉलर है। वैश्विक चिकित्सा पर्यटन सूचकांक में भारत 10वें स्थान पर है। पिछले एक साल में, देश में चिकित्सा पर्यटन में खासकर आयुष प्रणाली (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) के उदय के कारण तेजी से वृद्धि हुई है।

2023 में, सरकार ने देश में स्वास्थ्य और कल्याण उपचार चाहने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के प्रवेश को सुगम बनाने के लिए चिकित्सा वीजा प्रावधान लागू किए।

मंत्रालय के अनुसार, इससे चिकित्सा पर्यटन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप जुलाई 2023 से दिसंबर 2024 के बीच भारत में इलाज कराने आए विदेशियों को लगभग 123 नियमित आयुष वीजा और 221 ई-आयुष वीजा जारी किए गए।

शिक्षकों को सीएम नीतीश कुमार का आश्वाशसन, ट्रांसफर में अब नहीं होगी परेशानी

बिहार (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रक्षाबंधन से पहले शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। शिक्षकों के ट्रांसफर संबंधित इस ऐलान से उन शिक्षकों को राहत मिलेगी जो अपने जिले से दूर दूसरे जिले में छात्रों को पढ़ाने जाते हैं। सीएम नीतीश कुमार को शिक्षकों के ट्रांसफर से संबंधित कई सुझाव मिले हैं, जिसके तहत अब अंतर जिला ट्रांसफर से संबंधित समस्याओं का समाधान करने के लिए नई व्यवस्था लागू की जाएगी। सीएम नीतीश कुमार ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि जिन शिक्षकों को ट्रांसफर से संबंधित समस्याएं हैं, उनसे तीन जिलों का विकल्प लिया जाए और उनकी पोस्टिंग उन्हीं जिलों में की जाए। यह निर्णय शिक्षकों की सुविधा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उठाया गया कदम है।

अंतर जिला स्थानांतरण की समस्या वाले शिक्षकों से तीन जिलों के विकल्प मांगे जाएंगे, पदस्थापन इन्हीं जिलों में किया जाएगा

सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, "शिक्षा विभाग द्वारा हाल में किए गए शिक्षकों के स्थानान्तरण के बारे में विभिन्न स्रोतों से सुझाव प्राप्त हो रहे हैं। इसकी समीक्षा के क्रम में मैंने शिक्षा विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया है कि अन्तर जिला स्थानान्तरण संबंधी जिन शिक्षकों की भी समस्या है, उनसे 3 जिलों का विकल्प प्राप्त किया जाएगा, जिसके बाद उन्हीं जिलों में उनका पदस्थापन किया जाएगा।"

जिले के अंदर पदस्थापन जिला पदाधिकारी की समिति करेगी, ताकि शिक्षकों को संभवतः इच्छित या समीपवर्ती प्रखंड में स्थान मिल सके

जिलों के अंदर पदस्थापन का कार्य जिला पदाधिकारी की समिति द्वारा किया जाएगा ताकि यथासंभव इच्छित प्रखण्डों या उनके नजदीक उनका पदस्थापन हो सके। सीएम ने आगे लिखा, "शिक्षक बच्चों के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, इसीलिए मेरा विनम्र आग्रह होगा कि वे इस बारे में चिंतित न होकर बिहार में बच्चों की शिक्षा के लिए लगनपूर्वक काम करें।"

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम किया जा रहा है

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम किया जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। शिक्षकों की बहाली में बिहार के निवासियों (डोमिसाइल) को प्राथमिकता देने हेतु शिक्षा विभाग को संबंधित नियम में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया गया है।

संसद ने तटीय नौवहन विधेयक 2025 को दी मंजूरी

-भारत की तटीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की तटीय अर्थव्यवस्था को नया आयाम देने के लिए तटीय नौवहन विधेयक, 2025 को संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिल गई है। यह विधेयक राज्यसभा में आज गुरुवार को पारित हुआ, जबकि लोकसभा में यह 3 अप्रैल 2025 को ही पास हुआ था। इस विधेयक का उद्देश्य देश के 11,098 किलोमीटर लंबे समुद्र तट की विशाल क्षमता का दोहन करते हुए 2030 तक तटीय कार्गो को 230 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंचाना है।

यह विधेयक केंद्रीय पत्तन, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल द्वारा संसद में प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि यह केवल कानूनी सुधार नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन और लॉजिस्टिक्स की दक्षता के लिए एक रणनीतिक कदम है। विधेयक मर्चेंट शिपिंग अधिनियम, 1958 के पुराने नियमों की जगह लेगा और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार कैबोटेज नियमों को आधुनिक बनाएगा। इसमें 6 अध्याय और 42 खंड शामिल हैं, जो तटीय नौवहन के लिए सरलीकृत लाइसेंसिंग प्रणाली, विदेशी जहाजों के लिए नियमन की रूपरेखा, और राष्ट्रीय तटीय व अंतर्देशीय नौवहन रणनीतिक योजना बनाने का प्रावधान करते हैं।

इस विधेयक के तहत राष्ट्रीय तटीय नौवहन डेटाबेस भी तैयार किया जाएगा, जो निवेशकों को सरकारी नीतियों, योजनाओं और डेटा की रीयल-टाइम जानकारी देगा। इससे पारदर्शिता और निवेशकों का विश्वास दोनों बढ़ेंगे। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा, "यह विधेयक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसका उद्देश्य विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम करना, स्थानीय रोजगार बढ़ाना और भारतीय शिपिंग ऑपरेटरों को सशक्त बनाना है।"

उन्होंने यह भी बताया कि मंत्रालय पहले ही तीन महत्वपूर्ण समुद्री विधेयकों को पारित करा चुका है- मर्चेंट शिपिंग विधेयक, 2025, समुद्र द्वारा माल ढुलाई विधेयक, 2025, और तटीय नौवहन अधिनियम, 2025। इन तीनों अधिनियमों से भारत को एक आधुनिक, दक्ष और आत्मनिर्भर समुद्री इकोसिस्टम मिल सकेगा।

पशुपालन विभाग को मिली 5778 पशु परिचर की सौगात

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने पशुपालन विभाग के पशु परिचर भर्ती परीक्षा- 2023 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के युवाओं को बेरोजगार नहीं रहने देने के संकल्प के परिणाम के रूप में युवाओं को यह एक और सौगात मिली है। पशुपालन विभाग में 5778 पशु परिचरों की भर्ती के लिए अंतिम परिणाम गुरूवार को राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड ने जारी कर दिया है। जल्द ही इन्हें नियुक्ति प्रदान कर दी जाएगी। कुल रिक्त 6433 पदों के विरूद्ध 5778 अभ्यर्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया है, जिनमें से 5146 गैर अनुसूचित क्षेत्र के तथा 632 अनुसूचित क्षेत्र के पद हैं। 655 अभ्यर्थियों का परिणाम रोका गया है। कुमावत ने कहा कि विभाग को इससे सुदूर क्षेत्रों मे काम करने में बहुत सहायता मिलेगी और सेवा प्रदायगी में भी बहुत सुधार होगा। पशुओं तथा पशुपालकों के लिए भी यह बहुत ही मददगार साबित होगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

धराली त्रासदी: विकास की अंधी दौड़ को प्रकृति की चेतावनी

उत्तराखंड की खूबसूरत वादियां एक बार फिर तबाही का मंजर देख रही हैं। उत्तरकाशी जिले के धराली, हर्षिल और उसके आसपास के इलाकों में आई प्राकृतिक आपदा ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि अगर हमने समय रहते प्रकृति का सम्मान नहीं किया, तो इसका खामियाजा बेहद भयावह होगा। बीते कुछ वर्षों में हमने विकास की दौड़ में जिस तरह से नदियों को बांधा, पहाड़ों को काटा और जंगलों को उजाड़ा, उसका नतीजा आज हमारी आंखों के सामने है। धराली और हर्षिल के सैलाब ने न केवल जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, बल्कि भविष्य के प्रति एक गंभीर चेतावनी भी दी है। धराली और हर्षिल में आई इस आपदा के दृश्य किसी डरावने सपने से कम नहीं हैं। सैलाब की तेज रफ्तार ने जो कुछ भी रास्ते में आया, उसे निगल लिया। बहते पानी के साथ घर, दुकानें, होटल और सड़कें सब कुछ तिनकों की तरह बहते नजर आए। स्थानीय लोग बता रहे हैं कि कुछ ही घंटों में सब कुछ तबाह हो गया। कई लोग लापता हैं, दर्जनों घायल हैं और सैकड़ों विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य जरूर चल रहा है, लेकिन इन इलाकों में पहुंचना आसान नहीं है क्योंकि बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। हर साल मानसून के दौरान उत्तराखंड में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ जैसी घटनाएं अब सामान्य होती जा रही हैं। लेकिन असल में ये घटनाएं 'सामान्य' नहीं बल्कि चेतावनी हैं। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् कई सालों से यह संकेत दे रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्रों में अनियंत्रित निर्माण कार्य, चारधाम सड़क परियोजना जैसी बड़ी विकास योजनाएं और जंगलों की अंधाधुंध कटाई इस क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर बना रही है। नदियों के किनारे होटल और रेसॉर्ट्स बनाकर हमने नदियों का प्राकृतिक मार्ग बाधित किया है। नतीजा यह होता है कि जब नदियों में उफान आता है, तो वह सब कुछ बहा ले जाती हैं। धराली त्रासदी के बाद स्थानीय लोग बेहद डरे हुए हैं। उनका कहना है कि ऐसा मंजर उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। कई परिवारों ने अपना सब कुछ खो दिया है—रहने की जगह, आजीविका और सुरक्षा का एहसास। बच्चों की पढ़ाई छूट गई है, वृद्धजनों की देखभाल का कोई साधन नहीं बचा है। महिलाएं अपनी बची-खुची चीजों के साथ बच्चों को संभाल रही हैं और प्रशासन से मदद की उम्मीद लगाए बैठी हैं। इस घटना ने यह सवाल एक बार फिर खड़ा कर दिया है कि क्या हमारा विकास मॉडल टिकाऊ है? क्या हम उस दिशा में जा रहे हैं जो हमारे भविष्य को सुरक्षित बना सके? क्या हम सिर्फ पर्यटन और आर्थिक लाभ के लिए हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी से खिलवाड़ करते रहेंगे? हमें यह समझना होगा कि हिमालय सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। इसकी नदियों से देश के कई हिस्सों की जल आपूर्ति होती है, इसके जंगल जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करते हैं और इसकी भूमि हजारों वर्षों की जैव विविधता की संरक्षक है। अगर हमने इसे यूं ही नजरअंदाज किया, तो तबाही की घटनाएं और बढ़ती जाएंगी।

न कानून, न सुरक्षा: लेन-देन से पहले व्यक्ति को खुद सावचेत रहने की आवश्यकता

– क्रिप्टो, ब्लैक मनी और साइबर क्राइम का अनियंत्रित त्रिकोण

विकसित हो रही डिजिटल अर्थव्यवस्था के युग में जहाँ एक ओर तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, वहीं दूसरी ओर अनियंत्रित डिजिटल वित्तीय साधनों ने एक नया संकट खड़ा कर दिया है। इस त्रिकोण में तीन ताक़तवर पक्ष शामिल हैं – क्रिप्टोकरेंसी, ब्लैक मनी और साइबर क्राइम। इन तीनों का जब संगठित उपयोग होता है, तो यह कानून, वित्तीय तंत्र और आम लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन जाता है।

क्रिप्टोकरेंसी – स्वतंत्रता या अराजकता?

क्रिप्टो की मूल अवधारणा

क्रिप्टोकरेंसी एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल करेंसी है जिसे ब्लॉकचेन तकनीक के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है। बिटकॉइन, एथेरियम जैसी कई क्रिप्टोकरेंसी आज दुनिया भर में व्यापार, निवेश और लेन-देन का माध्यम बन चुकी हैं। भारत में अभी तक क्रिप्टोकरेंसी को स्पष्ट रूप से वैध या अवैध घोषित नहीं किया गया है। सरकार इसकी निगरानी के लिए नियम बनाने पर विचार कर रही है, लेकिन एक ठोस कानूनी ढांचा अब तक मौजूद नहीं है। यही अस्पष्टता इसका दुरुपयोग आसान बनाती है।

जोखिम क्या हैं?

अनियंत्रित लेन-देन: क्रिप्टो ट्रांसफर में कोई बैंक या सरकारी एजेंसी शामिल नहीं होती, जिससे इसकी ट्रेसबिलिटी मुश्किल होती है। धोखाधड़ी की संभावना: आम लोग क्रिप्टो की कीमतों के झांसे में आकर नकली एप्स, स्कीम्स या पोंजी स्कीम्स के शिकार हो जाते हैं। मनी लॉन्ड्रिंग का जरिया: क्रिप्टो के माध्यम से ब्लैक मनी को व्हाइट किया जाना अब एक बड़ा वैश्विक मुद्दा बन चुका है।

ब्लैक मनी – अर्थव्यवस्था की छिपी बीमारी

ब्लैक मनी का स्वरूप

ब्लैक मनी वह अवैध या घोषित न की गई आय होती है जिस पर टैक्स नहीं चुकाया गया होता। यह पैसे को छिपाकर रखा जाता है और इसका उपयोग गैरकानूनी गतिविधियों में किया जाता है। ब्लैक मनी को डिजिटल रूप में बदलकर क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करना एक आम ट्रेंड बन चुका है। क्योंकि क्रिप्टोकरेंसी पर निगरानी नहीं है, इसलिए यह पैसा आसानी से अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में उपयोग किया जाता है।

धंधे का नया रास्ता

हवाला नेटवर्क के जरिए ब्लैक मनी को क्रिप्टो फॉर्म में बदला जाता है और फिर विदेशी वॉलेट्स में ट्रांसफर कर दिया जाता है। रियल एस्टेट, डार्क वेब, और ड्रग्स ट्रेड जैसे क्षेत्रों में क्रिप्टो का गुप्त उपयोग बढ़ता जा रहा है।

साइबर क्राइम – डिजिटल भरोसे का हत्यारा

तेजी से बढ़ता साइबर अपराध

साइबर क्राइम की घटनाएं पिछले 5 वर्षों में दोगुनी हो चुकी हैं। फिशिंग, स्पूफिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, हैकिंग, डीप फेक टेक्नोलॉजी का उपयोग अब रोजमर्रा का अपराध बन चुका है। रैंसमवेयर अटैक: अपराधी सिस्टम हैक कर लेते हैं और फिर बिटकॉइन या किसी अन्य क्रिप्टो में फिरौती की मांग करते हैं। क्रिप्टो वॉलेट हैकिंग: यूजर्स के वॉलेट्स को निशाना बनाकर करोड़ों की चोरी हो रही है।

ब्लैक मनी और क्रिप्टो के जरिए साइबर माफिया का विकास

साइबर अपराधी ब्लैक मनी से फंडिंग प्राप्त करते हैं, उसे क्रिप्टो में बदलते हैं और फिर अपने हमलों के लिए उन्नत टेक्नोलॉजी खरीदते हैं। डार्क वेब के जरिये डेटा, पासवर्ड, पहचान पत्र आदि की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है।

कानूनी खामियां और सरकारी उदासीनता

स्पष्ट कानून का अभाव

भारत में अभी तक न तो क्रिप्टो को पूरी तरह वैध किया गया है और न ही उस पर रोक लगाई गई है। यह अस्पष्टता निवेशकों और आम नागरिकों को भ्रमित करती है। ब्लैक मनी से निपटने के लिए मौजूद कानून (जैसे बेनामी संपत्ति कानून, आयकर अधिनियम, FEMA) पुराने ढांचे पर आधारित हैं।

साइबर पुलिस की सीमाएं

अधिकांश साइबर सेल्स संसाधनों, तकनीकी जानकारी और प्रशिक्षित स्टाफ की कमी से जूझ रही हैं।

इंटरनेशनल साइबर क्राइम में अपराधी आसानी से कानून से बच जाते हैं।

आम नागरिक के लिए सबक

जागरूकता ही बचाव है

कोई भी फ्री क्रिप्टो स्कीम, हाई रिटर्न वादा या अनजाना ईमेल संदेहास्पद मानें

क्रिप्टो ट्रेडिंग सिर्फ लाइसेंस प्राप्त प्लेटफॉर्म पर करें

अपने पासवर्ड, OTP और निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें

सुरक्षित इंटरनेट का इस्तेमाल करें – पब्लिक वाईफाई से बैंकिंग/लेन-देन से बचें

सरल लेकिन प्रभावी उपाय

टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) अपनाएं

वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (VPN) का इस्तेमाल करें

अपने सभी डिवाइसों पर एंटीवायरस सॉफ्टवेयर रखें

समय-समय पर बैंक और वॉलेट स्टेटमेंट जांचते रहें

भारत के लिए क्या रास्ता है?

ठोस नीति निर्माण की आवश्यकता

भारत को क्रिप्टोकरेंसी पर जल्द से जल्द स्पष्ट नीति लानी होगी – या तो इसे एक रेगुलेटेड डिजिटल असेट के रूप में स्वीकार करें या पूरी तरह प्रतिबंधित करें। ब्लैक मनी के डिजिटल स्वरूपों पर नियंत्रण के लिए नए IT टूल्स और AI आधारित सिस्टम विकसित करना होगा। साइबर पुलिस की मजबूती। हर राज्य में विशेष साइबर कमांड सेंटर बनें। अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध के मामलों में सहयोग बढ़ाया जाए। आम जनता को जागरूक करने के लिए TV, सोशल मीडिया, और स्कूल स्तर पर अभियान चलाए जाएं।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य

अन्य देशों का अनुभव

अमेरिका में क्रिप्टो पर टैक्स लगाया गया है और फाइनेंशियल क्राइम एन्फोर्समेंट नेटवर्क (FinCEN) द्वारा निगरानी रखी जाती है। चीन ने क्रिप्टो ट्रेडिंग और माइनिंग पर पूरी तरह से बैन लगा दिया है। यूरोपियन यूनियन ने मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के लिए "Markets in Crypto-Assets (MiCA)" रेगुलेशन लागू किया है।

भारत को क्या सीखना चाहिए?

हमें अमेरिका की तरह टेक्नोलॉजी को अपनाते हुए सख्त निगरानी व्यवस्था अपनानी होगी। चीन जैसी पूर्ण पाबंदी से बचते हुए संतुलित नियमन का रास्ता अपनाना होगा। क्रिप्टोकरेंसी, ब्लैक मनी और साइबर क्राइम का यह त्रिकोण आज के डिजिटल युग में समाज के लिए गहरे खतरे की घंटी है। जहां सरकारों को जिम्मेदारी के साथ त्वरित नीति निर्माण करना चाहिए, वहीं आम नागरिकों को भी आँख मूंदकर किसी स्कीम, निवेश या लेन-देन पर भरोसा नहीं करना चाहिए। जब तक कानून मजबूत न हो, तब तक 'सावधानी' ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। संदेश यही है – आज के समय में आर्थिक आज़ादी के साथ तकनीकी समझ और सतर्कता ज़रूरी है। वरना यह आज़ादी कब बंधन बन जाए, पता भी नहीं चलेगा। डिजिटल युग में जहां तकनीक ने जीवन को सरल बनाया है, वहीं क्रिप्टोकरेंसी, ब्लैक मनी और साइबर अपराध का मिलाजुला जाल समाज और अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। क्रिप्टोकरेंसी एक आधुनिक और विकेन्द्रीकृत मुद्रा प्रणाली है, जिसकी निगरानी फिलहाल भारत में स्पष्ट रूप से नहीं की जा रही है। इसी वजह से इसका उपयोग मनी लॉन्ड्रिंग, हवाला और काले धन को छुपाने जैसे अवैध कार्यों में तेज़ी से बढ़ रहा है। बिना किसी नियामक के, यह स्वतंत्रता कहीं न कहीं अराजकता को जन्म दे रही है। ब्लैक मनी आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था की एक छुपी बीमारी है। तकनीक के साथ यह बीमारी अब डिजिटल रूप ले चुकी है, जहां अवैध धन को क्रिप्टो में बदल कर विदेशी वॉलेट्स में भेजा जाता है। इसके साथ ही, डार्क वेब और ड्रग्स के नेटवर्क में क्रिप्टो का उपयोग और बढ़ गया है। इससे भी बड़ा संकट है साइबर क्राइम का, जो हर दिन नई तकनीकों के ज़रिए आम आदमी के डेटा, पैसों और पहचान पर हमला कर रहा है। रैंसमवेयर अटैक और वॉलेट हैकिंग जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं। भारत में इन तीनों समस्याओं से निपटने के लिए न तो कोई मजबूत कानून है, न पर्याप्त साइबर इन्फ्रास्ट्रक्चर। कानूनों की अस्पष्टता, तकनीकी संसाधनों की कमी और सरकारी उदासीनता इन खतरों को और बढ़ा रही है। ऐसे में जब तक सरकार एक ठोस नीति और साइबर संरचना नहीं बनाती, तब तक आम आदमी को ही जागरूक और सतर्क रहना होगा।

सी ऑफ स्टार्स : मालदीव में रात को चमकता समुद्र

-प्रकृति का चमत्कार: जब समुद्र में उतर आते हैं तारे

जब हम समुद्र तट की कल्पना करते हैं, तो आमतौर पर लहरों की गूंज, सूरज की रोशनी, रेत पर कदमों के निशान और नारियल के पेड़ों की छांव आंखों के सामने आती है। लेकिन ज़रा कल्पना कीजिए – एक ऐसा समुद्र, जो रात के अंधेरे में नीली रोशनी से जगमगा उठे, मानो आसमान के तारे ज़मीन पर उतर आए हों। यह कोई कल्पना नहीं, बल्कि एक सच्चाई है, जिसे "सी ऑफ स्टार्स" कहा जाता है। यह अद्‌भुत दृश्य मालदीव के वाडू द्वीप (Vaadhoo Island) पर देखा जा सकता है, जहाँ समुद्र की लहरें रात के अंधेरे में नीली रोशनी बिखेरती हैं। यह नज़ारा किसी सपने से कम नहीं लगता।

सी ऑफ स्टार्स क्या है?

सी ऑफ स्टार्स (Sea of Stars) असल में एक जैविक और रासायनिक प्रक्रिया का परिणाम है, जिसे बायोलुमिनेसेंस (Bioluminescence) कहते हैं। यह प्रक्रिया कुछ खास सूक्ष्म जीवों द्वारा की जाती है जिन्हें फाइटोप्लैंकटन (Phytoplankton) या डायनोफ्लैगलेट्स (Dinoflagellates) कहा जाता है। जब ये जीव समुद्र की लहरों या किसी बाहरी संपर्क (जैसे इंसान के चलने, नाव की गति) से हिलते हैं, तो ये नीली रोशनी उत्पन्न करते हैं। ये रोशनी किसी कृत्रिम रोशनी की तरह तेज़ नहीं होती, बल्कि एक सौम्य नीली आभा देती है, जो रात के अंधेरे में जादुई अनुभव पैदा करती है।

मालदीव और सी ऑफ स्टार्स का रिश्ता

मालदीव, हिंद महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है, जो अपने सफेद रेत वाले समुद्र तटों, फ़ाइव-स्टार रिज़ॉर्ट्स, स्कूबा डाइविंग और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। लेकिन "सी ऑफ स्टार्स" इसकी सबसे खास प्राकृतिक घटनाओं में से एक है। वाडू द्वीप, जो कि रा एटोल (Raa Atoll) क्षेत्र में स्थित है, इस चमत्कारिक घटना के लिए सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यहाँ पर अक्टूबर से अप्रैल के बीच समुद्र की सतह पर बायोलुमिनेसेंस देखी जा सकती है। यह समय मानसून के बाद का होता है, जब पानी का तापमान और पोषक तत्व इन जीवों के अनुकूल हो जाते हैं।

बायोलुमिनेसेंस कैसे काम करता है?

बायोलुमिनेसेंस एक जैव रासायनिक प्रक्रिया है जिसमें लूसिफेरेज़ (Luciferase) नामक एंज़ाइम और लूसिफ़रिन (Luciferin) नामक रसायन की प्रतिक्रिया होती है। यह प्रतिक्रिया तब सक्रिय होती है जब जीव को कोई उत्तेजना (जैसे लहरों की हलचल, चलने की गति या किसी वस्तु का संपर्क) मिलती है। इसके परिणामस्वरूप वह नीली या कभी-कभी हरी रोशनी उत्पन्न करता है। डायनोफ्लैगलेट्स के शरीर में यह प्रक्रिया सुरक्षात्मक तंत्र के रूप में विकसित हुई है। जब कोई शिकारी जीव इनकी तरफ आता है तो यह जीव चमक उठते हैं, जिससे शिकारी भ्रमित होकर भाग जाता है।

कब और कैसे देखें सी ऑफ स्टार्स?

सी ऑफ स्टार्स हर रात नहीं दिखाई देता। यह एक मौसमी और पर्यावरणीय घटना है, जो कुछ खास परिस्थितियों में होती है।

देखने का सबसे अच्छा समय:

अक्टूबर से अप्रैल के बीच

अमावस्या या अंधेरी रातें (जब चाँद की रोशनी कम हो)

कम प्रकाश वाला वातावरण

बारिश और तूफ़ान के बाद की रातें

कैसे पहुँचे वाडू द्वीप:

मालदीव की राजधानी माले से वाडू द्वीप नाव द्वारा लगभग 15-20 मिनट की दूरी पर है। कई रिसॉर्ट्स विशेष "सी ऑफ स्टार्स टूर" ऑफर करते हैं।

पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

"सी ऑफ स्टार्स" ने मालदीव की पर्यटन उद्योग को एक नया आयाम दिया है। यहाँ आने वाले सैलानी

इस दुर्लभ दृश्य को देखने के लिए विशेष रूप से यात्रा करते हैं। इसके चलते: स्थानीय गाइड्स, नाव चालकों और होटलों को अतिरिक्त आमदनी होती है। बायोलुमिनेसेंस टूरिज़्म के कारण रिसॉर्ट्स 'नाइट बीच वॉक' जैसी सेवाएं देने लगे हैं। कई फोटोग्राफर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स इसे कवर करने के लिए यहाँ आते हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर इसकी प्रसिद्धि बढ़ी है। हालाँकि, बढ़ता हुआ पर्यटन कभी-कभी पर्यावरणीय संतुलन को प्रभावित कर सकता है, इसलिए ज़रूरी है कि लोग जिम्मेदारी से यात्रा करें।

सी ऑफ स्टार्स के दौरान होने वाली अन्य गतिविधियाँ

नाइट वॉक ऑन बीच:

पर्यटक चमकते समुद्र के किनारे रात में टहलते हैं और अपने कदमों के नीचे नीली रोशनी का अनुभव करते हैं।

कयाकिंग या बोट राइड्स:

पारदर्शी नावों में बैठकर समुद्र की लहरों में बायोलुमिनेसेंस का दृश्य और भी मनमोहक लगता है।

नाइट फोटोग्राफी:

फोटोग्राफर्स इस दृश्य को कैमरे में कैद करने के लिए विशेष लेंस और तकनीक का इस्तेमाल करते हैं।

विज्ञान और रोमांच का संगम

"सी ऑफ स्टार्स" केवल एक दृश्य या प्राकृतिक चमत्कार नहीं है, बल्कि यह हमें प्रकृति की जटिलता और सुंदरता की याद भी दिलाता है। यह घटना बताती है कि प्रकृति विज्ञान और सौंदर्य को किस तरह एक साथ समेटे हुए है। विज्ञान के दृष्टिकोण से यह घटना हमें सूक्ष्म जीवों की शक्ति और पर्यावरणीय संतुलन की अहमियत सिखाती है। वहीं एक पर्यटक के नज़रिये से यह रोमांच, आनंद और विस्मय का अनुभव कराता है।

पर्यावरणीय चिंताएँ

बढ़ते पर्यटन और मानवीय गतिविधियों के कारण बायोलुमिनेसेंस उत्पन्न करने वाले जीवों के जीवन चक्र में बाधा पहुँच रही है। अगर ये जीव नष्ट हो गए, तो यह दृश्य भी भविष्य में विलुप्त हो सकता है। इसलिए ज़रूरी है कि हम:

समुद्री तटों को साफ़ रखें

केमिकल युक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल ना करें

नाइट टूरिज़्म के दौरान कम से कम रोशनी और आवाज़ करें

बायोलुमिनेसेंस स्पॉट्स को संरक्षित रखने के लिए जागरूकता फैलाएं

एक स्वप्निल अनुभव

मालदीव का "सी ऑफ स्टार्स" ऐसा अनुभव है जो जीवन में शायद एक बार मिलता है, लेकिन उसकी स्मृति जीवन भर रहती है। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि एक एहसास है – जैसे सितारों की दुनिया ज़मीन पर उतर आई हो। इस अद्‌भुत दृश्य को देखकर यकीन होता है कि प्रकृति में ऐसी कई रहस्यमयी और खूबसूरत घटनाएं छिपी हैं, जो हमें विनम्र बनाती हैं और यह अहसास कराती हैं कि हम कितने छोटे हैं इस विशाल ब्रह्मांड के आगे।

सैयद अहमद बरेलवी: इस्लामी जागृति और जिहाद आंदोलन के शहीद रहनुमा

-एक भुलाया गया क्रांतिकारी विचारक

भारत की आज़ादी के संघर्ष को जब हम केवल 1857 की क्रांति या 20वीं सदी के आंदोलनों तक सीमित करते हैं, तो हम कई ऐसे महान सेनानियों को भुला देते हैं, जिन्होंने अंग्रेज़ों के आने से पहले ही विदेशी हुकूमतों के ख़िलाफ़ हथियार उठाए थे। इन्हीं क्रांतिकारियों में एक नाम है – सैयद अहमद बरेलवी। उनका संघर्ष ना केवल सिख सत्ता के विरुद्ध था, बल्कि एक इस्लामी नैतिक व सामाजिक पुनर्जागरण का भी आंदोलन था। वे एक ऐसे विचारक और योद्धा थे जिन्होंने इस्लामी राज्य की स्थापना के लिए अफ़ग़ानों और पठानों को एकजुट किया और जिहाद के ज़रिए सियासी बदलाव की राह अपनाई।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

सैयद अहमद बरेलवी का जन्म 1786 में उत्तर प्रदेश के रायबरेली ज़िले के बरेली नामक कस्बे में एक सम्मानित सैयद परिवार में हुआ। बचपन से ही उनमें धार्मिक रुचि थी और उन्होंने इस्लामी शिक्षा की बुनियाद शाह अब्दुल अज़ीज़ (शाह वलीउल्लाह देहलवी के सुपुत्र) के मार्गदर्शन में रखी। वह धार्मिक ज्ञान के साथ-साथ शरीअत आधारित सामाजिक व्यवस्था को भी समझते थे और उसका पालन करना ज़रूरी मानते थे। उनकी शिक्षा और दीनी सोच पर शाह वलीउल्लाह की विचारधारा का गहरा असर पड़ा, जो इस्लामी समाज के पुनर्निर्माण और शुद्धिकरण की बात करता था।

मिशन की शुरुआत और जिहाद की अवधारणा

सैयद अहमद बरेलवी ने यह महसूस किया कि भारत में मुस्लिम समाज धार्मिक दृष्टि से कमजोर होता जा रहा है। सामाजिक और धार्मिक बुराइयों ने उन्हें घेर लिया है। इसके साथ ही उत्तर भारत में सिख शासन, विशेष रूप से रंजीत सिंह की सत्ता, मुसलमानों पर अत्याचार कर रही थी। उन्होंने यह निश्चय किया कि यदि इस्लामी समाज को बचाना है, तो केवल प्रचार या उपदेश से बात नहीं बनेगी, बल्कि सशस्त्र संघर्ष यानी जिहाद की राह अपनानी होगी। यहाँ "जिहाद" का अर्थ केवल युद्ध नहीं था, बल्कि यह एक व्यापक अभियान था जिसमें धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक सुधार सम्मिलित थे। उन्होंने 1818 से 1821 के बीच हिंदुस्तान में विभिन्न स्थानों पर दौरा कर के अपने अनुयायियों को संगठित किया और "तहरीक-ए-मुजाहिदीन" की नींव रखी।

हिजरत और उत्तर-पश्चिमी सीमा पर संघर्ष

सैयद अहमद बरेलवी का मानना था कि जिस भूमि पर शरीअत के अनुसार शासन नहीं है, वहां से हिजरत (प्रवास) करना वाजिब है। इसी सोच के आधार पर उन्होंने 1826 में अपने सैकड़ों अनुयायियों के साथ भारत छोड़कर अफ़ग़ान सीमा की ओर हिजरत की। उनका पहला पड़ाव था यूसुफ़ज़ई जनजाति का इलाका (वर्तमान खैबर पख़्तूनख्वा, पाकिस्तान)। वहां उन्होंने इस्लामी शरीअत की स्थापना की कोशिश की, लेकिन पहले से स्थापित पठान सरदारों को यह बात रास नहीं आई। उनके सुधारवादी विचार, शराब और सूद की मनाही, महिलाओं के परदे, नमाज़ की पाबंदी, और आर्थिक बराबरी की बातें वहां की खानदानी सत्ता को चुनौती दे रही थीं। इससे उन्हें स्थानीय विरोध भी झेलना पड़ा।

स्वतंत्र इस्लामी शासन की स्थापना की कोशिश

उनका सबसे बड़ा सपना था – एक स्वतंत्र इस्लामी शासन की स्थापना। इसके लिए उन्होंने धीरे-धीरे अपनी "मुजाहिदीन फौज" तैयार की और सिखों से मोर्चा लेने का एलान किया। उन्होंने सिख सत्ता को इस्लाम विरोधी माना, खासकर रंजीत सिंह के दौर में मुसलमानों की दुर्दशा, मस्जिदों

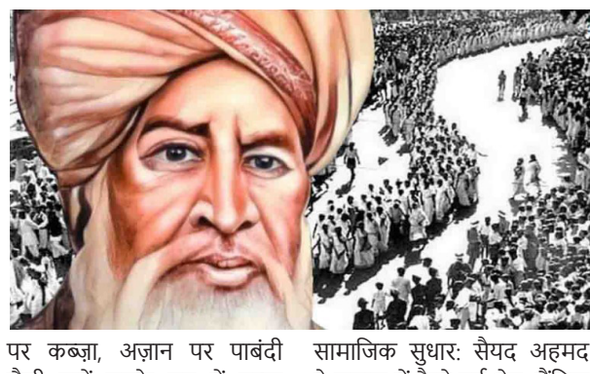

पर कब्ज़ा, अज़ान पर पाबंदी जैसी बातें उनके मन में गुस्सा पैदा कर चुकी थीं। उन्होंने तन्कार और अटोक जैसे क्षेत्रों को आधार बनाकर अपनी गतिविधियों को संगठित किया। उनके अनुयायी उन्हें "इमाम" मानते थे और उन्हें "इमाम-ए-जिहाद" कहा जाने लगा।

बालाकोट का युद्ध (1831)

6 मई 1831, इतिहास का वह दिन था जब सैयद अहमद बरेलवी ने बालाकोट (अब पाकिस्तान में) के पास सिखों की विशाल सेना से भिड़ंत ली। यह युद्ध असमान था – एक तरफ रंजीत सिंह की आधुनिक हथियारों से लैस सेना और दूसरी ओर सैयद अहमद के अनुयायियों की ईमानदार लेकिन सीमित क्षमता वाली टोली। लेकिन इसके बावजूद, इस जंग में उनके अनुयायियों ने जबरदस्त बहादुरी दिखाई। अंततः, सैयद अहमद बरेलवी और उनके प्रमुख सिपहसालारों की बालाकोट की पहाड़ियों में शहादत हो गई। उनकी मौत ने उनके मिशन को रोक तो दिया, लेकिन उनके विचारों और संघर्ष की चिंगारी बुझी नहीं।

सैयद अहमद की विचारधारा और आंदोलन का प्रभाव

इस्लामी शुद्धता की वकालत: उन्होंने सूफी परंपराओं में व्याप्त अंधविश्वास, कब्र परस्ती और बिदअत (शरियत से हटकर धार्मिक व्यवहार) का विरोध किया। वह तौहीद (एक ईश्वर की उपासना) के सच्चे पैग़ामबर थे।

सामाजिक सुधार: सैयद अहमद ने समाज में फैले वर्ग भेद, लैंगिक असमानता, नशा, सूद, और ज़ुल्म के खिलाफ आवाज़ उठाई। वह धार्मिक शिक्षाओं के माध्यम से समाज को मजबूत बनाना चाहते थे।

राजनीतिक इस्लाम का मॉडल: उन्होंने दिखाया कि इस्लाम केवल इबादत तक सीमित नहीं है, बल्कि एक मुकम्मल सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था है। उनका आंदोलन इसी सोच पर आधारित था।

भविष्य पर प्रभाव: उनके अनुयायियों ने बाद में भी "तहरीक-ए-मुजाहिदीन" को जारी रखा। 1857 की क्रांति में उनके कई शिष्य और विचारक सक्रिय रहे। शाह इस्माइल शहीद, उनके प्रमुख साथी, एक विचारक के रूप में मशहूर हुए।

विवाद और आलोचना

हालांकि सैयद अहमद बरेलवी को एक महान इस्लामी सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी माना जाता है, लेकिन कुछ इतिहासकार उनके ऊपर "कट्टरता" का आरोप भी लगाते हैं। उनके धार्मिक दृष्टिकोण को लेकर कई लोगों का मानना था कि वे स्थानीय परंपराओं और सूफीवाद के खिलाफ ज़्यादा सख्त थे। वहीं कुछ यह मानते हैं कि उन्होंने स्थानीय जनजातियों की स्वतंत्रता को सीमित करने की कोशिश की। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि उनके मकसद नेक थे।

महिला मीडियाकर्मियों ने मुख्यमंत्री के बांधे रक्षा सूत्र

-राजस्थान की शिल्पकार, महिला पत्रकार, देश-प्रदेश को मजबूत करने में महिलाओं का अहम रोल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि समाज को सही दिशा देने एवं देश-प्रदेश को मजबूत करने में महिलाओं की अहम भूमिका है। महिला एक कदम चलेगी तो राजस्थान सौ कदम आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार भी इस आधी आबादी की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया सरकार एवं जनता के मध्य सेतु की तरह कार्य करता है। ऐसे में हमारी महिला पत्रकार भारत और राजस्थान की शिल्पकार के रूप में बेहतरीन काम कर रही हैं। शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर 'मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन-मीडिया की बहनों का सम्मान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी महिला पत्रकारों को राखी की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्यौहार हमारी संस्कृति में भाई-बहन के परस्पर स्नेह का द्योतक है। बहन द्वारा बांधा गया रक्षा सूत्र भाई को सुरक्षा कवच देता है। आपका यह भाई आपकी हर तरीके से सुरक्षा एवं सहयोग के लिए तैयार खड़ा है। उन्होंने कहा कि महिला पत्रकार बड़ी जिम्मेदारी से लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य कर रही हैं। आपकी लेखनी और आपके द्वारा कही गई हर बात समाज में विश्वास पैदा करता है। इस आधी आबादी के सहयोग से ही हम हर लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे।

हमारी सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए ले रही निरंतर निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रदेश की महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गरीब परिवार की महिलाओं को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर, मा वाउचर योजना के तहत निशुल्क सोनोग्राफी, लाडो प्रोत्साहन योजना, स्कूटी और साइकिल वितरण जैसी योजनाओं एवं नवाचारों से महिलाओं को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, तीन महिला बटालियन, 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड, पुलिस थानों में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नारी सशक्तीकरण को मिली नई उड़ान

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तीकरण के क्षेत्र में नई उड़ान मिली है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, लखपति दीदी जैसी योजनाओं से महिलाएं मजबूत हो रही हैं। साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संसद तथा विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम', स्वच्छता अभियान जैसे सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों में जनसहभागिता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने सभी महिलाओं से अपील की कि वे नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए राज्य एवं केन्द्र सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद करें।

मंत्रीगण समिति की तृतीय बैठक सम्पन्न

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। शासन सचिवालय में गुरुवार को अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंत्रीगण समिति की तृतीय बैठक आयोजित की गयी। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भाग लिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर बनी समिति की बैठक में गुर्जर आरक्षण समिति द्वारा सुझाए सातों बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा उपरांत महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में समिति ने सिकंदरा के स्वर्गीय रूपनारायण गुर्जर के आश्रित को नगरीय निकाय विभाग में अनुकंपा नियुक्ति तथा पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया। समिति ने शिक्षा व अन्य विभागों में एमबीसी कार्मिकों के नियमितीकरण,पदोन्नति सहित विभिन्न लंबित विषयों के निस्तारण के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अधीन कार्मिकों को अधिकार देने का सकारात्मक निर्णय लिया। बैठक में गुर्जर आरक्षण आंदोलन से संबंधित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए जिला स्तर पर अतिरिक्त अधीक्षक पुलिस रैंक के अधिकारी को नोडल व राज्य स्तर पर कॉर्डिनेशन के लिए महानिरीक्षक पुलिस स्तर के अधिकारी को नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। साथ ही, शेष बिंदुओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लेने की दिशा में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अपर्णा अरोरा, शासन सचिव, कार्मिक विभाग डॉ. कृष्णा कान्त पाठक, निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जोगाराम पटेल ने 10 पाक विस्थापितों को सौंपे नागरिकता प्रमाण पत्र

-अब तक 340 पाक विस्थापितों को सौंप चुका है भारतीय नागरिकता

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री पाक विस्थापितों के हक-हकूक एवं मांगों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा काफी संवेदनशील है। मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन पाक विस्थापितों को नियम एवं पात्रता अनुसार भारतीय नागरिकता प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इसी संवेदनशीलता के चलते बरसों से भारतीय नागरिकता के लिए प्रयास कर रहे 10 पाक विस्थापितों के लिए गुरुवार का दिन खुशियां लेकर आया। जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को आयोजित समारोह में 10 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता का प्रमाण पत्र सौंपा। जोगाराम पटेल ने संगीता, हरिचंद, चमेली बाई, मुकेश कुमार, लियां देवी, कंवर लाल, संतोष कुमार, सुनित कुमार, राजकुमारी एवं सुश्री खिआना माहेश्वरी को भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 की विभिन्न धाराओं के तहत पात्रता प्राप्त करने एवं विहित प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपे। भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वाले पाक विस्थापितों को शुभकामनाएं देते हुए प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि आज का दिन उन सभी पाक विस्थापित भाइयों-बहनों के लिए एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण है, जिन्होंने वर्षों तक अपने अधिकारों और पहचान की प्रतीक्षा की। भारतीय नागरिकता प्राप्त कर अब आप विधिवत रूप से इस महान राष्ट्र का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। यह नागरिकता केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत माता की गोद में मिला सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मगौरव है। हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ समर्पित भाव से कार्य कर रही है। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप सभी भारत की उन्नति और समरसता में सक्रिय भागीदार बनेंगे। वहीं, अरसे बाद नागरिकता प्रमाण पत्र मिलने पर पाक विस्थापितों की आंखें छलक आईं। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि बरसों की बेमुल्क ज़िंदगी के बाद अब हमें अपनी मिट्टी से कानूनी पहचान मिली है, आज कई सालों का लंबा इंतजार खत्म हुआ है और आज हम फक्र के साथ कह सकते हैं कि हम भारतीय हैं।

किरण प्रजापत बनी महिला प्रदेश अध्यक्ष, हनुमान कटारिया ने दी शुभकामनाएं

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। श्री मानव हित सामाजिक सेवा संस्थान के बढ़ते कदम। महिला सशक्तिकरण को दी तरजीह। आज के युग में महिलाएं देश की तरक्की में अपना अहम योगदान निभा रही हैं। आज महिलाएं अपने कर्तव्य निष्ठा एवं अपनी योग्यता से हमारे देश हिंदुस्तान की गौरव बन चुकी है। श्री मानव हित सामाजिक सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष जिनको पूरा राजस्थान गरीबों का मसीहा के नाम से पुकारती है। और हकीकत में भी यह संस्था गरीबों, बेसहारा, मजदूर वर्ग की हितेषी बन चुकी है। जिसकी पूरे राजस्थान में अपनी अलग पहचान है। यह संस्था बिना मां-बाप के बच्चों का निशुल्क विवाह करा कर एक इतिहास रच रही है। इसी कड़ी में आज प्रदेश अध्यक्ष हनुमान कटारिया ने किरण प्रजापत को जो एक गरीब परिवार से आती है। मेड़ता रोड जिला नागौर की रहने वाली है। उनकी ईमानदारी, कठिन परिश्रम, कड़ी मेहनत, समाज की महिलाओं को जोड़ने में, उनको आगे बढ़ाने में, संस्था को जो योगदान दिया है। उसको मद्देनजर रखते हुए।अपनी संस्था का महिला प्रदेश अध्यक्ष

नियुक्त किया है। तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस नियुक्ति पर संस्था के सभी पदाधिकारीयों ने भूरी भूरी प्रशंसा की है। एवं फूल माला पहनाकर किरण प्रजापत का सम्मान किया।

महापौर ने सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर से किया स्वच्छता संवाद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने गुरूवार को निगम मुख्यालय पर "हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता" अभियान के तहत सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर से स्वच्छता संवाद किया। महापौर ने सभी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर को स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 के तहत जयपुर शहर को किस प्रकार से स्वच्छ बनाया जा सकता है जनभागादारी के साथ-साथ आमजन को जागरूक कर शहर को स्वच्छ रखने पर बल देने के साथ सभी से अपने-अपने विचार पूछे। महापौर ने सभी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर से बारी-बारी से विस्तृत रूप से जानकारी ली। सभी इनफ्लुएंसर ने "हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता" के तहत सेल्फी भी ली तथा आमजन को सोशल मीडिया के माध्यम से शहर को स्वच्छ रखने के लिये अधिक से अधिक आमजन को जागरूक करने का प्रण लिया। महापौर ने सभी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर को पौधे भेंट किये। महापौर ने बताया कि "हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता" अभियान के तहत नगर निगम ग्रेटर द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसके तहत गुरूवार को निगम मुख्यालय पर इनफ्लुएंसर से स्वच्छता संवाद आयोजित किया गया। सोशल मीडिया वर्तमान युग का प्रभावशाली माध्यम है यह माध्यम आमजन के मानस पर अपनी अलग ही छाप छोड़ता है और इसलिए सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर आमजन को स्वच्छता के संबंध में अधिक से अधिक जागरूक कर जिम्मेदार नागरिक का कर्त्तव्य निभा सकते है। महापौर ने इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा बनाई स्वच्छता पेंटिंग के लिये बच्चों को पुरस्कृत भी किया।

देश के सुप्रसिद्ध मंच संचालक एवं आशु कवि कमल मनोहर जी का जन्मदिन मनाया

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कविता एवं साहित्य क्षेत्र में शाहपुरा मनोहरपुर की माटी का परचम देश दुनिया में लहराने वाले आशु कवि एवं सुप्रसिद्ध मंच संचालक कवि कमल मनोहर के जन्मदिन पर राजनेताओं कैबिनेट मंत्री सहित राजनीति और काव्य जगत के नामचीन हस्तियों ने दूरभाष एवं सोशियल मीडिया के माध्यम से संपर्क कर बधाई दी। इसके पश्चात राम श्री टेक्टर्स के डायरेक्टर रोहित गुर्जर एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोहरपुर रामचंद्र यादव ने धूमधाम से मनाया।

कवि कमल मनोहर ने साहित्य एवं कविता के क्षेत्र में कई काव्य रचना प्रकाशित की। इन्हे साहित्य एवं काव्य संग्रह के लिए चंचरीक, शब्द श्री, मनोहरपुर रत्न, शाहपुरा गौरव, पंडित अमृतलाल नागर सम्मान, सहित अनेकों सम्मान से नवाजा जा चुका है। उन्होंने जन्मदिन के अवसर पर अपने आए हुए सभी प्रशंसकों एवं प्रियजनों का आभार व्यक्त किया है।

इस दौरान कवि कल्याण गुर्जर, सद्दीक खां, प्रितम कुमावत, दीपक गुर्जर, अशोक प्रजापति, दिनेश सैनी, राहुल गुर्जर, शुभम शर्मा, मदन गुर्जर, मनोज कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने किया भरतपुर व दौसा जिलों का दौरा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने गुरुवार को दौसा में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की उच्च तकनीकों का निरीक्षण किया एवं भरतपुर के हिंगोटा एवं खटोरी में फूडपार्क स्थल व निठार एवं मई गुर्जर में मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र के लिए स्थल चयन हेतु मौका निरीक्षण किया, जिसमें विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

भरतपुर जिले में "मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र" के लिए स्थल चयन

शासन सचिव राजन विशाल ने भरतपुर जिले की पंचायत समिति भुसावर के गांव मालपुरा में सांधा बॉर्डर के पास एवं मई गुर्जर का भ्रमण किया। यहां माननीय मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के तहत प्रस्तावित "मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र" की स्थापना हेतु उपयुक्त स्थल चयन के लिए विभागीय अधिकारियों से बातचीत की। भ्रमण के दौरान हल्का पटवारी से मालपुर व निठार क्षेत्र में भूमि उपलब्धता की जानकारी ली तथा क्षेत्र में मधुमक्खियों के लिए पूरे वर्ष फ्लोरा की उपलब्धता की भी जानकारी ली गई।

नदबई के गांव खटौटी में फूड प्रोसेसिंग पार्क का अवलोकन

इसके बाद शासन सचिव द्वारा नदबई पंचायत समिति के गांव खटौटी में कृषि विपणन बोर्ड द्वारा तैयार किए जा रहे फूड प्रोसेसिंग पार्क का भी निरीक्षण किया गया।

दौसा जिले में वर्षा आधारित उच्च उद्यानिकी पद्धति का अवलोकन

शासन सचिव राजन विशाल ने दौसा जिले के नांगल राजावतान क्षेत्र के कोल्यावास गांव में कृषक श्री सीताराम मीणा के खेत का भ्रमण किया, जहां अटल भूजल योजना के अंतर्गत वर्षा आधारित उच्च उद्यानिकी तकनीकों का मॉडल तैयार किया गया है। इस तकनीक के अंतर्गत वर्षा जल का संग्रहण कर फार्म पॉण्ड, सोलर पंप, पोलीहाउस, ड्रिप इरिगेशन, मिनी स्प्रिंकलर, मल्च, ग्रीनहाउस आदि आधुनिक तकनीकों के माध्यम से टिकाऊ खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। कृषक मीणा ने बताया कि अटल भूजल योजना से उन्हें वर्षा जल संग्रहण द्वारा लाभ हुआ है और अब वे जैविक खेती कर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। शासन सचिव ने अधिकारियों को किसानों को रासायनिक कीटनाशकों की जगह जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। साथ ही हरी खाद, ढैंचा की फसल, नैनो यूरिया के उपयोग, उर्वरकों की जानकारी, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, किसान क्रेडिट कार्ड और सहकारी समितियों की भूमिका की भी जानकारी कृषक से ली।

आर-कैट में इंटर कॉलेज क्विज प्रतियोगिता का हुआ समापन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा संचालित राजस्थान सेंटर ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आर-कैट) की ओर से आयोजित दो दिवसीय इंटर कॉलेज क्विज प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हुआ। प्रतियोगिता की विजेता राजस्थान विश्वविद्यालय की टीम रही, जिसे 21,000 रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। साथ ही, प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को 15,000 रुपये तथा एसकेआईटी कॉलेज के विद्यार्थियों को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 11,000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से आए मेधावी विद्यार्थियों ने कहा कि आर-कैट द्वारा आयोजित इस क्विज प्रतियोगिता में भाग लेकर उन्होंने प्रतिस्पर्धा का आनंद लिया और उन्हें आपसी संवाद, अनुभव साझा करने और व्यावहारिक शिक्षण विधाओं को समझने का भी महत्वपूर्ण अवसर मिला। विद्यार्थियों ने कहा कि ऐसे आयोजन ज्ञानवर्धन, कौशल विकास और और जिज्ञासा को प्रोत्साहित करते हैं। साथ ही, इस प्रकार के आयोजनों से सकारात्मक प्रतिस्पर्धा, नवाचार की सोच और आत्मनिर्भरता की भावना को भी मजबूती मिलती है। आर-कैट के कार्यकारी निदेशक संजय सिंघल ने बताया कि प्रतियोगिता में जयपुर के 15 कॉलेजों की टीमों ने भाग लिया। बुधवार को आयोजित नॉकआउट राउंड के बाद गुरुवार को सेमीफाइनल राउंड के लिए 6 टीमें चुनी गई थीं। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता में सामान्य ज्ञान, तकनीकी विषयों और ऑडियो-विज़ुअल प्रश्नोत्तरी से संबंधित अनेक राउंड आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिभागियों ने अपनी तार्किक क्षमता, विषय-ज्ञान का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

राजनैतिक दल मतदान केन्द्रों के लिए नियुक्त करें बूथ स्तरीय अभिकर्ता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं इसमें शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण सुनिश्चित करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन/सुव्यवस्थीकरण के संदर्भ में उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जयपुर आशीष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर में गुरुवार को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित हुई।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025-26 के अन्तर्गत मतदाता सूचियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं इसमें शत्-प्रतिशत् पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की ओर से विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों पर बूथ स्तरीय अभिकर्ता 1 व 2 अनिवार्य रूप से नियुक्त किये जाएं। उन्होंने बताया कि मतदान दिवस पर मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की भीड़ को कम करने के उदेश्य से 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान केन्द्रों का सुव्यवस्थिकरण/पुनर्गठन/नवसृजन/विभाजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया की जयपुर जिले में वर्तमान में 4302 मतदान केन्द्र स्थापित हैं। पुनर्गठन प्रक्रिया में 2143 मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन किया जा रहा है, 180 मतदान केन्द्रों का विभाजन किया जा रहा है। जिससे करीब 741 नवीन मतदान केन्द्रों का सृजन होगा। जिसके पश्चात जिले में मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 5043 हो जायेगी। राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन अन्तिम बार वर्ष 2002 में किया गया था। इस वर्ष को आधार मानते हुए सभी पात्र मतदाता के नामों को मतदाता सूची में शामिल करने एवं अपात्र नामों को सूची में हटाने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ताकि मतदाता सूची को सटीक, पारदर्शी व विश्वसनीय बनाया जा सके। इस कार्यक्रम में बीएलओ के द्वारा प्रत्येक मतदाता के घर-घर जाकर एक मुद्रित गणना प्रपत्र प्रत्येक मतदाता से दो प्रतियों में आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करते हुये भरवाया जाएगा। एक प्रति बतौर रसीद मतदाता को भी दी जायेगी एवं द्वितीय प्रति बीएलओ द्वारा ऑनलाइन करने के उपरान्त चुनाव कार्यालय में जमा करवायी जायेगी। मतदाता अपना गणना प्रपत्र ईसीआई पोर्टल के माध्यम से स्वयं भी ऑनलाइन कर सकता है। जिसका बीएलओ द्वारा भौतिक सत्यापन किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत बीएलओ द्वारा जिस मतदाता का ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन गणना प्रपत्र भरकर सत्यापन किया जायेगा। उन्हीं मतदाताओं का मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में नाम सम्मिलित किया जायेगा अथवा प्रदर्शित होगा।

निगम द्वारा की गई कार्यवाही में 2 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में झालाना रोड, टोल रोड, कैलाश टॉवर, सिवाड मोड पर अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 2 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में झालाना रोड, टोल रोड, कैलाश टॉवर, सिवाड मोड पर अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 2 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने योग चैपियंस के साथ मुलाकात की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने गुरूवार को निगम मुख्यालय पर योग चैपियंस से मुलाकात की। एमपीएस स्कूल के इन योग चैपियंस ने हाल ही में सूरत में आयोजित हुई राष्ट्रीय स्तर की CBSE वेस्ट जोन योग प्रतियोगिता 2025-26 में चैम्पियन ट्राफी अपने नाम की।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने गुरूवार को निगम मुख्यालय पर सभी योग चैपियंस से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही सभी से स्वच्छता संबंधी प्रश्न भी पूछे जिसका सभी बच्चों ने सही जबाव दिया। सभी बच्चों ने महापौर को बताया कि

उनके घर में होम कम्पोस्टिंग की जाती है तथा गीले व सूखे कचरे का अलग-अलग डस्टबिन रखा जाता है।

महापौर ने सभी बच्चों को "हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता" अभियान से जुड़ने की अपील की तथा सभी बच्चों को चॉकलेट भी दी जिसे लेकर बच्चें बेहद खुश हुये।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड वाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने खाद्य विभाग के अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

-एनएफएसए से अपात्र हटें, जनप्रतिनिधि और अधिकारी निभाएं भूमिका

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के खाद्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित हुई। मंत्री गोदारा ने कहा है कि राजस्थान सरकार सामाजिक न्याय की भावना के तहत पात्र परिवारों तक खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ पहुँचाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। राजस्थान में 'गिव-अप अभियान' अब सिर्फ एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में जन-आंदोलन बन चुका है। 'गिव-अप अभियान' के तहत संपन्न परिवार स्वेच्छा से योजना से बाहर हो रहे हैं, जिससे वास्तविक जरूरतमंदों को उनका अधिकार मिल सके। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता घर बैठे ऑनलाइन ओटीपी के माध्यम से गिव हेतु रजिस्टर किया जा सकता है। इसके लिये उपभोक्ता ऑनलाईन https://food.rajasthan.gov.in/ पोर्टल पर आवेदन कर सकता है। हर राशन दुकान की होगी जांच, अपात्रों पर होगी सख्ती :- बैठक में मंत्री गोदारा ने गिव-अप अभियान को और अधिक तेज गति से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि अपात्रों को सूची से हटाकर पात्र वंचितों को लाभ मिल सके। मंत्री गोदारा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले की प्रत्येक उचित मूल्य दुकान की जांच की जाए। अपात्र व्यक्तियों को गिव-अप के लिए प्रेरित किया जाए और यदि वे स्वेच्छा से योजना से नहीं हटते हैं तो नियमानुसार नोटिस जारी कर वसूली की कार्रवाई की जाए। साथ ही, सभी राशन दुकानों पर संबंधित योजनाओं के साइनेज भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि स्वेच्छा से लाभ छोड़ने वालों की संख्या को बढाने के लिये प्रदेश के आंकडों के अनुसार सभी अधिकारियों को लक्ष्य तय कर आगे बढने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी प्रवर्तन अधिकारियों व निरीक्षकों को 15 सितम्बर तक का समय देते हुये प्रत्येक राशन दुकान की जांच करने एवं अपात्र लोगों को गिव अप अभियान में हटवाने के लिये कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रवर्तन अधिकारियों, निरीक्षकों, पटवारियों, ग्रामसेवकों एवं जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर अभियान को जमीनी स्तर तक अधिक प्रभावी बनाते हुए पात्र परिवारों को एनएफएसए के लाभ दिलाने के निर्देश दिए। सवाई माधोपुर में 1 लाख से अधिक अपात्र हटाए गए, 1.18 लाख नए लाभार्थी जुड़े:-जिला रसद अधिकारी रामभजन मीणा ने बताया कि गिव अप अभियान में अब प्रत्येक उचित मूल्य दुकान पर खाद्य विभाग के रसद अधिकारी, प्रवर्तन अधिकारी एवं प्रवर्तन निरीक्षक द्वारा निरीक्षण करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस भी जारी किया जा रहा है। सवाई माधोपुर जिले में अब तक 48 हजार 297 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से योजना का लाभ छोड़ा है, जबकि 79 हजार 921 लाभार्थियों को ई-केवाईसी नहीं करवाने के कारण योजना से पृथक किया गया। इस प्रकार कुल 1.28 लाख से अधिक अपात्र लाभार्थियों को हटाया गया है। वहीं 26 जनवरी 2025 के बाद 1 लाख 18 हजार 438 नए पात्र लाभार्थियों को जोड़ा गया है। जिले में अब केवल 22 हजार 778 व्यक्तियों की आधार सीडिंग का कार्य शेष रह गया है। साथ ही 1370 अपात्र सरकारी कर्मचारियों से लगभग 1.87 करोड़ रुपये की वसूली भी की गई है। बैठक में नगर परिषद सभापति जय प्रकाश सामरिया, जिला कलक्टर कानाराम, पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, जिला रसद अधिकारी रामभजन मीणा, ईआई रिपु दमन सिंह, ई आई सपना मीना, खंडार प्रधान नरेंद्र चौधरी, प्रधान सम्पत पहाड़िया, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़, जिला महामंत्री विनोद अटल, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, जिला मंत्री गंगा शंकर शर्मा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और ईओ उपस्थित रहे।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने प्रेस वार्ता को किया सम्बोधित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित हुई। प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए मंत्री गोदारा ने कहा कि राज्य भर में 1 नवम्बर, 2024 से प्रारंभ इस अभियान के तहत अब तक 26 लाख 7 हजार 969 लोगो द्वारा स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा गया। इसके अतिरिक्त 42 लाख 88 हजार से अधिक लोगो को ई-केवाईसी नहीं कराने के कारण योजना से हटा दिया गया है। साथ ही जिले में कुल 1 लाख 28 हजार से अधिक अपात्र लाभार्थियों को हटाया गया। इसके परिणाम स्वरूप राज्य में लगभग 54 लाख 80 हजार पात्र लाभार्थी एवं जिले में 1 लाख 18 हजार 438 नए पात्रों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निरंतर सभी पात्र वंचितों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रदेश में जनसंख्या के अनुपात में एनएफएसए के अंतर्गत लगभग 4.46 करोड़ लाभार्थियों की सीलिंग है। यह संख्या पूरी हो जाने के कारण नए पात्र लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इसे देखते हुए सरकार द्वारा गिव अप अभियान की पहल की गई, जो आगामी 31 अगस्त तक चलाया जाएगा। खाद्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाएं बनी गरीबों का संबल :- उन्होंने सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा राशन डीलर का कमीशन बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर समय पर भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत न केवल खाद्य संबंधी लाभ परंतु चार तरह के लाभ पात्र व्यक्तियों को दिए जा रहे है। इसके तहत पात्र लाभार्थियों को 450 रूपये प्रति सिलेंडर प्रतिवर्ष 12 एलपीजी सिलेंडर, 5 किलो गेहूं प्रति व्यक्ति, मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना के तहत 5 लाख का बीमा कवर और मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत निशुल्क चिकित्सा सुविधा मिल रही है। बजट 2025-26 में घोषित 10 लाख नए लाभार्थियों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य पहले ही पूर्ण कर लिया गया है। "गौरव से कहों - मैं सक्षम हूँ" :- मंत्री गोदारा ने मीडिया बन्धुओं के माध्यम से समाज को संदेश देते हुए कहा कि यह अभियान न केवल खाद्य सुरक्षा बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं सक्षम आम नागरिकों से स्वयं गिव-अप कर गौरव से स्वयं सक्षम बताते हुए समाज को प्रेरित करने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने बताया कि एपीएल का कोई भी परिवार 850 रूपये वार्षिक प्रीमियम का भुगतान कर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का लाभ प्राप्त कर 25 लाख रूपये तक का निःशुल्क इलाज करा सकता है। इस दौरान विभिन्न प्रिन्ट व इलेक्ट्रोनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खाद्य विभाग ने तीन प्रतिष्ठानों पर लगाई पेनेल्टी

पाली (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग जयपुर के निर्देशानुसार अभियान के तहत गुरुवार को 6 प्रतिष्ठानों निरीक्षण किया जिसमें से 3 प्रतिष्ठानों से पेनेल्टी लगाई गई।

रसद अधिकारी मनजीत सिंह ने बताया कि कार्यालय द्वारा गठित संयुक्त जांच दल प्रवर्तन अधिकारी कमल कुमार पंवार, जितेन्द्रसिंह एवं विधिक माप विज्ञान अधिकारी विष्णु जोशी द्वारा गुरुवार को कुल 6 प्रतिष्ठानों गुलाब हलवा, कास्टिया हलवा, चैनजी हलवा वाला, जोधपुर स्वीट, ललित किराणा स्टोर, माँ जोधपुर स्वीट होम पाली का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 3 प्रतिष्ठानों पर बाट माप सत्यापन प्रमाण पत्र डिस्प्ले नहीं होने के कारण पेनेल्टी लगायी गयी। उन्होंने बताया कि विभाग के आदेशानुसार रक्षाबन्धन के त्योहार पर मिठाई, सुखे मेवे, बेकरी उत्पाद इत्यादि के साथ डिब्बा तौलने, कम माप तौल एवं पैकेजिंग निमयों में तय मापदंडों के अनुसार बिक्री न करने इत्यादी की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा 6 से 08 अगस्त तक एक विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है।

जिले के समस्त प्रतिष्ठानों को सूचित किया जाता है कि वे अपनी दुकानों/प्रतिष्ठानों में वजन संबंधी डस्प्ले उचित स्थानों पर प्रदर्शित करे तथा उपभोक्ताओं को जागरूक भी करे। यदि किसी प्रतिष्ठान द्वारा नियमों की अवहेलना की जाती है, तो उनके विरूद्ध विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009 व विधिक मापविज्ञान (डिब्बा बन्द वस्तुएं) नियम, 2011 के तहत कार्यवाही की जायेगी।

इस संबंध में जिले के समस्त उपभोक्ताओं से अपील है कि वे किसी भी प्रतिष्ठान की ओर से मिठाई, सूखे मेवे, बेकरी उत्पाद इत्यादि शुद्ध सामग्री का वास्तविक तोल करवाकर डिब्बे में लेवे। यदि किसी दुकानदार द्वारा वजन संबंधी अनियमितता की जाती है, तो उसकी शिकायत 18001806030 एवं व्हाट्सएप नंबर 7230086030 पर भी दर्ज करवा सकते हैं।

इरशाद गोरी चौमूं पिंक सिटी टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष बने

चौमूं,(रॉयल पत्रिका)। शहर में जयपुर रोड स्थित हजरत दौलातशाह,बाबा की दरगाह पर चौमूं पिंकसिटी टैक्सी यूनियन के चुनाव संपन्न हुए। चुनाव में,कुल 177 वाहन स्वामियों ने अपना वोट डाला इसमें इरशाद गोरी ने 101 मत हासिल किय,जबकि सामने खड़े हुए ओमप्रकाश को 73 मत मिले ऐसे में इरशाद गोरी 28 मतों से विजय हुए इरशाद गोरी के विजई होने के बाद वाहन स्वामियों ने विजय जुलूस निकाला हजरत दौलत शाह बाबा की दरगाह से लेकर चोमू बस स्टैंड तक बड़े धूमधाम से डीजे के साथ निकाला चारों ओर वाहन स्वामियों में इरशाद गोरी की जीत को लेकर बहुत-बहुत खुशी नजर आ रही थी, जगह-जगह पर इरशाद गोरी का व्यापार मंडलों ने आमजन ने फूल बरसा कर माला पहनकर स्वागत किया। चौमूं पिंक सिटी यूनियन के वाहन स्वामी इस पूरे रास्ते में नाच गा रहे थे और खुशी से झूम रहे थे ये वाहन स्वामी मौजूद रहे। इरशाद अली, शहजाद खान, गोवर्धन डागर, कालूराम जाट, मोहन डागर इमरान पांडे, ओम जी, ओम प्रकाश, राजू सैनी, सलमान कुरेशी, सद्दाम कुरेशी, शब्बीर शाह, नौशाद खान, अमजद खान, फरीद खान, एहसान खान, श्रवण कुमार, कैलाश शर्मा, गोपाल, फिरोज और भी कई चौमूं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे प्रशासन की देखरेख में यह चुनाव संपन्न हुए पुलिस ने बड़ी मुस्तेदी से चुनाव पर नजर रखी हुई थी और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव करवाए।

नेत्र जांच शिविर एवं चश्मा वितरण और सेवा सम्मान किया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मौहल्ला ईदगाह मदरसे में वार्ड न. 58 व 59 में रिटायर्ड थानेदार अनवर खान द्वारा अपने मरहूम माता पिता गुलाब बानो एवं मुबारक खान की याद में लायंस क्लब के तत्वाधान में नेत्र जाँच एवं चश्मा वितरण का शिविर लगाया गया। जिसमें नेत्र फ्री जाँच दवाइयां एवं जरुरतमंद लोगों को चश्मा भी उपलब्ध करवाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि - समाजसेवी बाबू खां सनसिटी होटल एवं वरिष्ठ नेता रफीक मंडेलिया, कासम खां, मुबारिक खां रिसालदार, रियाजत खान एवं समाजसेवी अलाउद्दीन खान, रामचंद्र राजोतीया, आबिद खान ए के, इलियास नसवान, सत्तार खोकर, सदर सकिल दुर्रानी चूरू फुटबॉल क्लब अध्यक्ष, अब्दुल मनान मजहर, मौलाना अनीश, आरिफ दौलतखानी, मोहम्मद अयूब सलेमखानी, इस्माइल खान, हमीद खान रिसालदार, उस्मान अंसारी, इदरीश छिम्पा, संजय भाटी, अख्तर खान, आसिफ खान, खालिद पार्षद, शाहरुख खान, आबिद खान जाबासरिया, अनीश खान, इस्लाम खान, डॉ. वसीम अंसारी, मुबारिक मास्टर, सुरेश प्रजापत, इमरान दिलावरखानी,साहिल खान, कमल प्रजापत, दानिश, शैखु, जीशान खान, मौलाना लतीफ, मकसूद खां दिलावरखानी इन सभी लोगों ने शिविर में उपस्थित दर्ज करवाई। शिविर में सेवाए देने वालों को लायंस क्लब द्वारा सेवा सम्मान से नवाजा गया।

कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस में पार्टी की मासिक बैठक आयोजित हुई

-भाजपा सरकार में जनता हित के सारे मुद्दे फेल मंडेलिया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया तथा विषिष्ठ अतिथि चूरू विधानसभा प्रभारी भीमराज जाखड रहें। बैठक की अध्यक्षता शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किषोर धान्धू ने की। बैठक में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता के हितो के मुद्दो पर फेल हो चुकी है। उन्होने कहा कि सत्ता की भूखी सरकार सत्ता पर काबिज बने रहने के लिए तानाशाही से काम कर रही है। उन्होने वोटर लिस्ट में गडबडी, धर्म-जाति का विद्वेष और विपक्ष के नेताओं पर फर्जी मुकदमें दर्ज करने का आरोप भी लगाया। रफीक मंडेलिया ने बैठक में मतदाता सूची पुर्ननिरक्षण, स्मार्ट मीटर, फसल बीमा क्लेम, नगर निकाय एवं पंचायतीराज और छात्रसंघ चूनाव पर चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार निजी क्षेत्र के लोगो को फायदा पहुंचाने के लिए सही सलामत बिजली मीटरों के स्थान पर स्मार्ट मीटर लगाकर उपभोक्ताओं से 5 से 10 गुना ज्यादा शुल्क वसूल कर उन्हे लुटने का काम कर रही है। सरकार अडानी जैसे बडे उधोगपतियों के हाथों में बिजली क्षेत्र को सौपना चाहती है। फसल बीमा का लेकर रफीक मंडेलिया ने कहा कि खरीफ बीमा योजना में 2018 से 2024 तक किसानों के खाते में भुगतान नही हुआ है। सिर्फ 30 फीसदी राषि किसानो के खाते में आई है, जबकि 70 फीसदी राषि बकाया है। उन्होने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया की आगामी समय में नगर निकाय व पंचायतीराज के चूनाव संभावित है जिससे पूर्व मतदाता सूची पुर्ननिरक्षण का कार्य हो रहा है, आप अपने क्षेत्र में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिष्चित करते हुए 18 वर्ष से अधिक आयू के युवक युवतिया जिनका मतदाता सूची में नाम नही है, उनका नाम मतदाता सूची में जुडवाने तथा पूर्व में मतदाता सूची में जुडे फर्जी नामो को हटवाकर एक सषक्त लोकतंत्र की स्थापना में अपना योगदान करें। उन्होने कहा कि नगर निकाय व पंचायतीराज चुनाव आयोजित करवाने की समय अवधि 5 की होती है लेकिन 5 वर्ष से अधिक समय व्यतित हो के पश्चात भी भाजपा सरकार द्ववारा अभी तक चूनावों की घोषणा नही की है इस अवसर पर चूरू विधानसभा प्रभारी भीमराज जाखड़, पीसीसी सचिव रियाजत खां, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, निवर्तमान सभापति पायल सैनी, पंचायत समिति प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किषोर धान्धू, किसान नेता आदूराम न्यौल, रमजान खान, रामेष्वर प्रजापति, शेर खां मलखाण, हेमन्त सिहाग, अबरार खां, विकास बुडानिया, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, लालचंद सैनी, सुखाराम घिंटाला, सोहनलाल मेघवाल आदि भी बैठक में अपने विचार व्यक्त कियें। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने कियाबैठक के पश्चात कार्यक्रम में चूरू जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनिता कपुरिया, चूरू जिला एनएसयूआई अध्यक्ष संजय कन्टाला, चूरू विधानसभा सेवादल अध्यक्ष चन्दनमल मेघवाल, चूरू शहर सेवादल अध्यक्ष शंकर चंदेलिया और इनकी कार्यकारिणी का प्रदेष कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया द्वारा साफा, श्योल व माला पहनाकर स्वागत व अभिनन्दन किया। कार्यक्रम के अंत में आदिवासी नेता व झारखड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरन व पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिका के निधन पर दो मिनट का मोन रखकर उन्हे श्रद्वांजलि अर्पित कीइस दौरान सैकडो कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत 15 अगस्त तक आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। शासन सचिव एवं आयुक्त ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के आदेशानुसार "आजादी का अमृत महोत्सव" के अन्तर्गत हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग थीम पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन 2 से 15 अगस्त, 2025 तक किया जा रहा है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया ने बताया कि "आजादी का अमृत महोत्सव" के अन्तर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत 8 अगस्त को समस्त ग्राम पंचायत मुख्यालय, नगर परिषद एवं नगर पालिका में गांव के सार्वजनिक स्थान, जल संरचनाएं, जल और सेनिटेशन सूचनाएं, नाली सफाई, ग्रे-वाटर, प्रबंधन, पाईपलाईनों से वाटर लिकेज बंद करना, सीएसी, आरआरसी और अन्य परिसम्पत्तियों की सुरक्षा संबंध कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार द्वितीय फेज में 9 अगस्त को समस्त ग्राम पंचायत मुख्यालय, पंचायत समिति, नगर परिषद एवं नगर पालिका में तिरंगा राखी बनाओं कार्यशाला एवं प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 10 अगस्त को प्लास्टिक वेस्ट कलेक्शन एवं इकसे प्रबंधन संबंधी कार्य, गांव के रास्तों, सार्वजनिक स्थानों पर आजादी का श्रमदान, 11 अगस्त को पीएचईडी विभाग के माध्यम से गांवो में जल जीवन मिशन की संरचनाओं की सफाई और सौन्दर्यकरण कार्य, जल एवं स्वच्छता संबंधी सुविधाओं को देशभक्ति थीम से पेन्ट और सजावट करना, जल प्रबंधन एवं जल संरक्षण संबंधी कार्यकलाप किए जाएंगे। वहीं 12 अगस्त को कचरा प्रबंधन तकनीक (पृथकीकरण, कम्पोटिंग) शौचालय रखरखाव, जल संरक्षण, भूमिगत जल संग्रहण, जलस्त्रोत संरक्षण, सिंगल युज प्लास्टिक के उपयोग को हथोसाहित, व्यक्तिगत शौचालयों की ग्रामवासियों के द्वारा सफाई आदि कार्य किया जाएंगे। इसी प्रकार तृतीय फेज में 13 अगस्त को जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत एवं ग्राम स्तर पर सभी पंचायती राज संस्थाओं के कार्यालयों/भवनों, स्मारको पर तिरंगा रंग की एलईडी लाईटिंग की जाएगी। प्रमुख बाजारों में भी लाईट डेकोरेशन, माला डेकोरेशन, दीया, रंगोली आदि से सजावट करने हेतु स्थानीय व्यक्तियों को प्रोत्साहित किया जावें। पंचायत के प्रमुख तालाब, प्रमुख स्थल, प्रमुख व्यापार केन्द्र आदि में देशभक्ति के राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, देशभक्ति के गीत आदि भी प्रसारित किये जाएंगे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी अधिकारी ने बताया कि यह गतिविधियां 13 से 15 अगस्त तक की जाएगी। इसी प्रकार 13 से 15 अगस्त तक प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक तिरंगा ध्वज को हाथ में लेकर स्थानीय जनसमुदाय, नागरिको, विद्यार्थियों द्वारा प्रत्येक गांव, ढाणी एवं शहरी परिक्षेत्र के मध्य तिरंगा यात्रा रैली का आयोजन होगा। स्थानीय लोक कलाकारों एवं संगीतकारों को भी तिरंगा यात्रा/रैली में आमन्त्रित किया जाएगा। इसी प्रकार 13 से 15 अगस्त तक ही नगर परिषद, नगर पालिका एवं पंचायत समिति स्तर पर प्रत्येक पंचायत समिति, नगर परिषद/नगर पालिका में प्रमुख स्थान, मुख्य बाजार पर एक तिरंगा केनवास लगाया जाएगा जिस पर आम जनता द्वारा अपने हस्ताक्षर एवं देश प्रेम के प्रति अपनी भावना लिखी जा सके। तिरंगा केनवास 13 अगस्त को प्रातः 8 बजे से 15 अगस्त को सांय 8 बजे तक लगाया जाएगा। वहीं सभी राजकीय एवं निजी कार्यालय/भवनों पर 13 से 15 अगस्त तक राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। इसी प्रकार 14 अगस्त को नगर परिषद/नगर पालिका एवं पंचायत समिति स्तर पर प्रातः 9 बजे से सांय 6 बजे तक प्रत्येक नगर परिषद/नगर पालिका, पंचायत समिति परिक्षेत्र में प्रर्दशनी/मेला का आयोजन किया जाएगा जिसमें तिरंगा के महत्व को समझाने हेतु फोटो, विडियो, चरखा, बुनकरों के माध्यम से हाथ से तिरंगा कपड़ा बनाने की कला की प्रर्दशनी, राजस्थान की संस्कृति से संबंधित गतिविधियों की प्रदर्शनी की आयोजित की जाएगी। इस प्रदर्शनी/मेले में स्थानीय उत्पादकों को अपने उत्पाद विक्रय हेतु स्थान भी उपलब्ध करवाया जाएगा। इसी प्रकार 14 अगस्त को को सांय 7 बजे से जिला स्तर पर तिरंगा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में स्वतन्त्रता सेनानी, सैनिक एवं सुरक्षा बलों के सेवानिवृत कार्मिक/शहीदों के परिवार को भी अनिवार्य रूप से ससम्मान आमन्त्रित किया जाकर उनके प्रति आभार व्यक्त किया जावें। वहीं देश-भक्ति पर आधारित संगीत, गानों पर स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जावें तथा 15 अगस्त को ध्वजारोहण कार्यक्रम किया जाएगा। कार्यक्रम में देश की एकता एवं अखण्डता हेतु तिरंगा शपथ दिलाई जाएगी।

चूरू में बिजली गुल रहने से उपभोक्ता परेशान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर में बिजली गुल रहने से उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। दूसरी ओर प्रशासन आँखें बंद करके मौज कर रहा है। मिली जानकारी के अनुसार यहां राजकीय लोहिया महाविद्यालय के पास नूर मस्जिद के पीछे जब चाहे बिजली गुल हो जाती है। इसी प्रकार नई सड़क, कृषि मंडी के पीछे, रीको एरिया सहित शहर के विभिन्न वार्डों में बार बार बिजली गुल होना आम बात हो गई है। बिजली विभाग के आधे अधिकारी कहते हैं आगे से गई और आधे कहते हैं पीछे से गई। विभाग के आगे पीछे के खेल में उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि प्रशासन कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। यह बात मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और भाजपा सरकार के दावों की पोल खोल रही है। सत्ताधारी दल के नेता सब कुछ जानते हुए चुप हैं, क्योंकि बोलते ही नोटिस मिलने का डर है। कांग्रेस वाले भी संपर्क खराब होने के डर से मौन धारण करके बैठ गए हैं। आमजन रोता हुआ घूम रहा है। उसका कोई धणी धोरी नहीं है। यहां अधिकारियों की मौज है।

अर्श इंफोटेक व डिजिटल गार्ड के सीईओ इमरान खान द्वारा 'डिजिटल गार्ड B2B प्लेटफॉर्म' लॉन्च

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अर्श इंफोटेक और डिजिटल गार्ड के सीईओ एवं संस्थापक इमरान खान ने आज 'डिजिटल गार्ड B2B प्लेटफॉर्म' का भव्य शुभारंभ किया। यह लॉन्च कार्यक्रम अर्श आईटी प्लाजा, नई सड़क, चूरू स्थित अर्श इंफोटेक कार्यालय में आयोजित किया गया। इस B2B प्लेटफॉर्म के माध्यम से CCTV, एक्सेसरीज़ और अन्य आईटी प्रोडक्ट्स को सबसे बेहतरीन दामों पर डीलर्स और सीसीटीवी इंस्टालर्स तक पहुंचाया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म विशेष रूप से डीलर्स और सीसीटीवी इंस्टालर्स के लिए डिज़ाइन किया गया है जिससे वे सीधे और सुविधाजनक तरीके से खरीददारी कर सकें।

कार्यक्रम में डिजिटल गार्ड के मैनेजर हितेश प्रजापत ने प्लेटफॉर्म की विशेषताओं और फेस्टिव स्कीम 2025 को लेकर एक प्रभावशाली प्रेजेंटेशन दिया, जो इमरान खान के मार्गदर्शन में प्रस्तुत किया गया इस लॉन्च इवेंट की शुरुआत इमरान खान द्वारा केक काटकर की गई। कार्यक्रम में लगभग 50 CCTV डीलर्स और सीसीटीवी इंस्टालर्स की उपस्थिति रही। इस अवसर पर पूरी अर्श इंफोटेक टीम की मेहनत और योगदान से यह आयोजन बेहद सफल और यादगार बन गया।

भाजपा द्वारा तिरंगा यात्रा का कार्यक्रम होगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर तिरंगा यात्रा और विभाजन की विभिषीका कार्यक्रम के तहत 08 अगस्त को दोपहर 03.30 बजे पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के चूरू आवास पर जिला कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। जिला उपाध्यक्ष व कार्यक्रम के जिला संयोजक भास्कर शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता प्रदेश महामंत्री व कार्यक्रम संभाग प्रभारी संतोष अहलावत, प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, पूर्व विधायक बिहारीलाल बिश्नोई एवम चूरू विधायक हरलाल सहारण द्वारा आगामी तिरंगा यात्रा व विभाजन की विभिषिका कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया जायेगा। जिसमें जिलाध्यक्ष भाजपा, लोकसभा प्रत्याशी, विधायक, विधानसभा प्रत्याशी, प्रधान, उपप्रधान, नेताप्रतिपक्ष, चेयरमेन, जिलापदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष, कार्यक्रम के जिला संयोजक, सहसंयोजक, मण्डल अध्यक्ष व कार्यक्रम मण्डल संयोजक, पार्षद, जिले के सभी जनप्रतिनिधि वरिष्ठ नेता सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहेगे।

हर घर तिरंगा अभियान की सफलता के लिए कार्यशाला आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी पाली केन्द्रीय व प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी के नेतृत्व मे हर घर तिरंगा अभियान व विभाजन विभिषिका पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित आई जी भवन प्रताप बाजार रानी मे आयोजित होगी जिला प्रवक्ता तिलोक चौधरी ने बताया कि कार्यशाला में राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत व संगठन के प्रदेश मंत्री मिथिलेश गौतम मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर सांसद पी पी चौधरी, पुर्व सांसद पुष्प जैन, विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत, विधायक केसाराम चौधरी, पुर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, विधायक शौभाजी चौहान व जिला पदाधिकारीगण व सभी मोर्चा के अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष व महामन्त्री मंडल के कार्यक्रम संयोजक व सहसंयोजक प्रधान व उपप्रधान नगर पालिका के अध्यक्ष उपाध्यक्ष व कार्यकर्तागण उपस्थित रहेंगे ।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने ढाढरिया बणीरोतान के रा.उ.मा.वि. में एफआईए के सहयोग से शुरु की प्रगति लैब

-विद्यार्थियों को देंगे एआई, तकनीकी व कम्प्यूटर एप्लीकेशन की जानकारी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले में विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा में अग्रणी बनाने की अभिनव पहल करते हुए गुरुवार को जिले के ढाढरिया बणीरोतान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में एफआईए (फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव एक्शन)एनजीओ के सहयोग से लैपटॉप उपलब्ध करवाते हुए प्रगति लैब का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि तकनीकी के बेहतर इस्तेमाल से भावी पीढ़ी हर क्षेत्र में अग्रणी रहे। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों उपयोगकर्ता नहीं बल्कि निर्माता बनें। वर्तमान का युग एआई व तकनीकी का युग है। विद्यालय स्तर पर ही तकनीकी प्रशिक्षण विद्यार्थियों के उच्च शैक्षणिक योग्यता व सुदृढ़ भविष्य की दिशा तय करेगा। सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़ ने विद्यालय प्रबंधन को सकारात्मक परिणामों के लिए विद्यार्थियों को कम्प्यूटर व तकनीकी शिक्षण से जोड़ते हुए लैब के अधिकतम उपयोग की बात कही। उन्होंने बताया कि प्रगति कार्यक्रम मुख्य रूप से 06 से 08 वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए बनाया गया है। इसमें कम्प्यूटर थिंकिंग व एआई, सोशल इमोशनल लर्निंग, इंटरप्रेन्योरशिप आदि प्रमुख क्षेत्रों पर फोकस किया गया है। कार्यक्रम अंतर्गत कहानी, गतिविधि और

समूह संवाद आधारित शिक्षण विधि पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने कोड चूरू कार्यक्रम की जानकारी दी।एफआईए के अजय ने नवाचार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनजीओ से एक व्यक्ति विद्यालय के अध्यापक को प्रशिक्षण देगा व साप्ताहिक तौर पर पर्यवेक्षण करते हुए एडवांस तकनीकी जानकारी साझा करेगा। उपस्थित रहे। संचालन मोहन लाल मेहरिया ने किया।

केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं पर कार्यशाला आयोजित

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। मेरा युवा भारत अजमेर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा केन्द्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं पर युवाओं की कार्यशाला सावित्री कन्या राजकीय महाविद्यालय अजमेर परिसर के सभागार में की गई। मुख्य वक्ता सुश्री रिंकी खातून राष्ट्रीय सेवा योजना की राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित एवं राष्ट्रीय वक्ता ने कहा कि सुशासन एवं विकास के लिए सरकार की योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं से आम जन को जोड़ने एवं उनको लाभान्वित कराने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। उन्होंने युवाओं के लिए प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, वित्तीय साक्षरता एवं डिजिटल जागरूकता, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, हर घर जल जीवन मिशन, स्किल इंडिया से जुड़ने एवं इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया एवं उद्देश्य पर अपने विचार व्यक्त किए। स्किल इंडिया की प्रमुख योजनाएं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, जन शिक्षण संस्थान योजना, राष्ट्रीय अप्रेंटशिप प्रोत्साहन योजना, क्राफ्टमैन प्रशिक्षण योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, एक जिला एक उत्पाद, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, हस्तशिल्प उद्योग, स्टार्टअप इंडिया, युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजनाओं पर अपनी वार्ता देकर लाभान्वित किया। मुख्य अतिथि आयुष वशिष्ठ, पुलिस उप-अधीक्षक (ट्रैफिक) राजस्थान पुलिस सेवा ने युवाओं में कुशल नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया एवं मेरा युवा भारत अजमेर द्वारा चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों की प्रशंसा की। जिला युवा अधिकारी जयेश मीना ने कार्यशाला का परिचय एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। मंच संचालन महाराणा प्रताप युवा मंडल अजमेर कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री मीनाक्षी शर्मा ने किया। महाराणा प्रताप युवा मंडल अजमेर संस्थापक मयंक सिंह

नेगी ने युवा मंडल की अवधारणा पर प्रकाश डाला एवं माय भारत पोर्टल रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया के बारे में बताया। इसके अतिरिक्त एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम तहत अजमेर जिले में चल रहे सघन वृक्षारोपण अभियान का पोस्टर विमोचन एवं औषधीय पौधों की अमृत वाटिका के संचालन गतिविधि से सभी को अवगत किया। उन्होंने महाविद्यालय संस्था प्रधान मंजुश्री गुप्ता, एनसीसी समन्वयक मेजर मीनाक्षी जैन, एनएसएस समन्वयक ममता सिंह अग्रवाल का आभार व्यक्त किया।

श्रीगंगानगर में होगा पीपल्स ग्रीन पार्टी का ग्रीन स्वराज सम्मेलन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर चूरू और बीकानेर के बाद अब पीपल्स ग्रीन पार्टी का ग्रीन स्वराज सम्मेलन श्रीगंगानगर में होगा। पीपल्स ग्रीन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुधांशु के निर्देश एवं प्रेरणा से ग्रीन स्वराज सम्मेलन चूरू और बीकानेर के पश्चात दोनों लोकसभा की कुछ विधानसभाओं में पीपल्स ग्रीन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी ने विधानसभा प्रभारियों के साथ सीडब्ल्यूसी गठन को लेकर दौरे आरंभ कर दिए हैं। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत के अनुसार पिछले दिनों बीकानेर पूर्व और पश्चिम विधानसभाओं, चूरू लोकसभा की सादुलपुर, तारानगर और सरदारशहर के विधानसभा प्रभारियों के साथ उनकी विधानसभा में सीडब्ल्यूसी गठन को लेकर दौरे किये। प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी ने कहा है कि सभी पच्चीस लोक सभाओं में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुधांशु के मुख्य आतिथ्य में ग्रीन स्वराज सम्मेलन आयोजित किये जाने हैं। प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि सीडब्ल्यूसी

गठन पीपल्स ग्रीन पार्टी का मुख्य लक्ष्य रहेगा। अगला ग्रीन स्वराज सम्मेलन श्रीगंगानगर लोकसभा में आयोजित होने जा रहा है। श्रीगंगानगर में ग्रीन स्वराज आयोजन हेतु सतीश कुमार नागपाल के मिर्जेवाला निवास पर पार्टी के पदाधिकारियों ने विचार-विमर्श किया, जिसमें तय किया कि रेलवे स्टेशन के निकट पंचायती धर्मशाला में करवाया जाये। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश भादू, व प्रदेश उपाध्यक्ष कुलवंत कौर, सादूलशहर विधान सभा क्षेत्र के प्रभारी नीरज शर्मा के अतिरिक्त दो अन्य महिलाओं ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

ग्राम पंचायत 15 ओ में जिला कलक्टर की रात्रि चौपाल व जनसुनवाई आयोजित

-जिला कलक्टर और एसपी ने किया पौधारोपण

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। जिले की श्रीकरणपुर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत 15 ओ में बुधवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल व जनसुनवाई आयोजित हुई। इस दौरान ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की भावना के अनुसार परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई जाए। इस दौरान विभिन्न प्रकरण आए। रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों द्वारा स्वच्छ जलापूर्ति, मनरेगा में रोजगार उपलब्ध करवाने, पेयजल की समस्या का समाधान करने, नाकारा खालों को पक्का करवाने, ओ माइनर फीडर पर बिजली आपूर्ति नियमित देने, वाटर वर्क्स की मुख्य पाइपलाइन की मरम्मत करवाने, जन आधार कार्ड में नाम हटवाने, क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुचारू करने और राजकीय विद्यालय के आसपास सफाई

करने सहित अन्य परिवाद दिए गए।

जिला कलक्टर ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को बुलाकर उक्त परिवादों के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार आमजन की समस्याओं को जल्द से जल्द हल किया जाए। जनसुनवाई के साथ-साथ रात्रि चौपाल में आने वाले सभी प्रकरणों में विभागीय अधिकारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करते हुए संबंधित पीड़ित को राहत दिलवाना सुनिश्चित किया जाए। इसके पश्चात डॉ. मंजू द्वारा नशामुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। नशे का कारोबार करने वालों की सूचना देने का ग्रामीणों से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि आमजन नशे के खिलाफ एकजुट हों और ऐसी गतिविधियों की सूचनाएं पुलिस को उपलब्ध करवाएं। हरियालो राजस्थान अभियान का उल्लेख करते हुए जिला कलक्टर ने सभी से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने का भी आह्वान किया। चौपाल के बाद जिला कलक्टर और एसपी ने पौधारोपण भी किया। विक्रम ज्याणी ने उपस्थितजनों को नशामुक्ति की शपथ दिलवाते हुए नशामुक्त श्रीगंगानगर अभियान के हेल्पलाइन नंबर 93515-04313 पर नशे से जुड़ी गतिविधियों की सूचनाएं देने का आह्वान किया।

जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

-पंचायती राज उपचुनाव 2025, हर घर तिरंगा अभियान एवं विश्व आदिवासी दिवस पर की समीक्षा

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बुधवार को जिला परिषद के ईडीपी सभागार में बैठक ली। ईडीपी सभागार में आयोजित बैठक में जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह पंचायती राज उप चुनाव की तैयारी, हर घर तिरंगा यात्रा एवं 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने राज्य निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार पंचायती राज उपचुनाव 2025 जिला परिषद संख्या 09 एवं पंचायत समिति सदस्य संख्या - 16 के रिक्त हुए पदों पर उप चुनाव की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। उन्होंने मतदान दल प्रकोष्ठ गठन प्रशिक्षण प्रकोष्ठ मतदान केंद्र का प्रकाशन चेक पोस्ट पोलिंग पार्टी की रवानगी रोड चार्ट एवं ईवीएम, वीवीपैट, वेयर हाउस ट्रेनिंग सेल, वीडियोग्राफी ,पोलिंग पार्टी की रवानगी, सेक्टर मजिस्ट्रेट , सुरक्षा व्यवस्था, बिजली व्यवस्था पेयजल

व्यवस्था सहित सभी प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारियो से जानकारी लेते हुए सुव्यवस्थित व पारदर्शिता पूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए तथा तथा कहा कि कार्य को अच्छी तरह समझ कर करें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरते। बैठक के दौरान उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए तीन चरणों में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए हर घर तिरंगा कार्यक्रम की रूपरेखा, तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा कैनवास ,बाइक रैली, ट्रैक्टर रैली तिरंगा यात्रा, साफ सफाई एवं राजकीय भवनों की सजावट सहित अन्य बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम के दौरान शिलान्यास लोकार्पण की तैयारी से संबंधित जानकारी, विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी ,विभागीय स्टॉल्स, लाभ वितरण, ट्रैफिक व्यवस्था, बैठक व्यवस्था,सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, बिजली व्यवस्था , इंटरनेट कनेक्टिविटी, मंच संचालन सहित अन्य बिंदु पर समीक्षा करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को समय पर कार्यक्रम में उपस्थित रहने की निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़ ने सभी विभागीय अधिकारियों को मिनट तो मिनट कार्यक्रम का अध्ययन कर कार्यों की समय पर तैयारी पूर्ण रखने के निर्देश दिए।

मरू उड़ान कार्यक्रम के तहत महिलाएं सीखेंगी ड्राइविंग

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत बुधवार को मरू उड़ान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत महिला अधिकारिता विभाग द्वारा महिलाओं को निःशुल्क मोटर ड्राइविंग कोर्स करवाया जाएगा। प्रथम बैच का शुभारंभ जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने हरी झंडी दिखाकर किया। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान जिला कलेक्टर ने महिलाओं को सशक्त और रोजगार से जुड़ने के नए आयाम में एक नई पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि झुंझुनू एक नया कदम और प्राप्त करेगा। इस दौरान विभाग के उपनिदेशक

विप्लव न्योला, आईसीडीएस के उपनिदेशक विजेंद्र सिंह , सहायक जनसंपर्क अधिकारी विकास चाहर, मंजू, लता, गोविंद सैनी, उषा कुल्हरी, रेखा जांगिड़, पूजा कस्वा भी उपस्थित रही। विभाग के उपनिदेशक न्योला ने बताया कि एरिक ग्रुप झुंझुनूं द्वारा संचालित मारुति सुजुकी ड्राइविंग स्कूल ने महिला अधिकारिता विभाग के साथ अनुबंध किया है जिसमें 20 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मुआवजे संबंधी शेष प्रकरणों का जल्द करें निस्तारिण - जिला कलक्टर

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। तालेड़ा उपखंड क्षेत्र में निर्माणाधीन नॉर्दन बाईपास फेज-2 के तहत मुआवजा राशि वितरण की स्थिति तथा अवाप्त की गई भूमि का कब्जा प्राप्त करने संबंधी प्रगति की बुधवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि जिन व्यक्तियों की भूमि अधिग्रहित की गई है, उनमें से कोई भी मुआवजा राशि से वंचित नहीं रहें। उन्होंने निर्देश दिए कि शेष मुआवजे के लिए कार्यवाही कर शत-प्रतिशत निपटारा सुनिश्चित किया जावें। उन्होंने नॉर्दन बाईपास में अधिग्रहित जमीन के शेष खसरों में मुआवजे की कारवाई आगामी 15 दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि अवाप्तशुदा भूमि का कब्जा शीघ्र लिया जावें। अवाप्तशुदा भूमि जिनके मुआवजे का भुगतान नहीं हुआ, उनका समयबद्ध निस्तारण किया जाएं। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह तोमर, तालेड़ा उपखंड अधिकारी मनस्वी नरेश, सार्वजनिक निर्माण विभाग के एसई मुकेश गुप्ता, तहसीलदार तालेड़ा मनीष मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को वितरित किए गए कृत्रिम अंग

-सहायक उपकरण एवं अधिगम सामग्री

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। समग्र शिक्षा, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं के लिए एक कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर शहीद मेजर नटवर सिंह शक्तावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चित्तौड़गढ़ के सभागार में बुधवार को आयोजित किया गया, जिसमें जिला कलक्टर आलोक रंजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिले के 104 विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण एवं अधिगम सामग्री वितरित की गई। वितरण की गई सामग्रियों में 16 ट्राईसाइकिल, 17 व्हीलचेयर, 8 सीपी चेयर, 2 रोलेटर, 2 सुगम केन और 48 अधिगम सामग्री किट शामिल थीं। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने अपने संबोधन में कहा कि इन उपकरणों से बच्चों की शिक्षा सुलभ होगी और वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होंगे। उन्होंने सफल दिव्यांगजनों की प्रेरक कहानियाँ साझा कर बच्चों और अभिभावकों का

उत्साहवर्धन किया। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक डॉ. महावीर कुमार शर्मा ने बताया कि यह वितरण राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर के निर्देशानुसार सत्र 2024-25 में आयोजित मेडिकल कम फंक्शनल असेसमेंट कैम्प के आधार पर किया गया, जिसमें स्थानीय चिकित्सा दल एवं भारतीय कृत्रिम अंग एवं उपकरण निर्माण निगम (एलिम्को), कानपुर शाखा फरीदाबाद द्वारा विद्यार्थियों को अभिशंषित किया गया। अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक प्रमोद कुमार दशोरा ने बताया कि समावेशी शिक्षा के तहत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के नामांकन एवं ठहराव को सुनिश्चित करने के लिए यह महत्त्वपूर्ण पहल की गई है। कार्यक्रम का संचालन संदर्भ व्यक्ति हेमेन्द्र कुमार सोनी द्वारा किया गया। स्वागत भाषण डॉ. महावीर कुमार शर्मा ने दिया एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रमोद दशोरा ने विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम अधिकारी लोकेश नारायण शर्मा एवं शुभम संदर्भ व्यक्ति ने बताया कि एलिम्को के अधिकारी कुनाल के निर्देशन में सभी लाभार्थियों को उनके अनुसार अभिशंषित उपकरण वितरित किए गए। प्रत्येक ब्लॉक के संदर्भ व्यक्तियों द्वारा उपकरणों की उपयोगिता एवं देखरेख संबंधी जानकारी अभिभावकों व संरक्षकों को दी गई। साथ ही लाभार्थी बच्चों की जानकारी समावेशी शिक्षा पोर्टल पर भी दर्ज की गई। सीवीआरटी संस्थान द्वारा सभी बच्चों को स्टेशनरी किट भी प्रदान की गई।

साइबर अपराधों से निपटने में साइबर जागरुकता और साइबर सुरक्षा की है महत्वपूर्ण भूमिका

-उपखंड श्रीकरणपुर और पालिका प्रशासन की सराहनीय पहल से आमजन में आएगी जागरुकता

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। श्रीकरनपुर उपखंड व नगर पालिका द्वारा विकसित किए गए साइबर सिक्योरिटी पार्क एवं महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण पार्क का बुधवार को लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने साइबर सुरक्षा को वर्तमान समय में चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा कि साइबर अपराधों से निपटने में साइबर जागरूकता और साइबर सिक्योरिटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे पूर्व जिला कलक्टर डॉ. मंजू, एसपी डॉ. अमृता दुहन, पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रपाल सिंह टीटी, एसडीएम श्योराम, पालिका ईओ संदीप बिश्नोई, सीओ संजीव चौहान द्वारा पार्क का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने कहा कि नगर पालिका के नवाचार से आमजन को लाभ होगा। उपखंड और पालिका प्रशासन द्वारा स्क्रैप से पार्क में उपयोगी जानकारी देने का प्रयास

किया है। इससे आमजन की साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि उपखंड प्रशासन के नेतृत्व में नगरपालिका द्वारा यातायात पार्क, साइबर सिक्योरिटी पार्क एवं महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण पार्क जैसे विभिन्न नवाचार किए गए हैं। नशे को क्षेत्र के लिए चुनौती बताते हुए उन्होंने उपस्थितजनों से नशामुक्त श्रीगंगानगर अभियान में सहयोग देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं आगे आकर नशा करने वालों और बेचने वालों की सूचनायएं पुलिस को दें। पूर्व राज्यमंत्री टीटी ने भी पालिका द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि आमजन नशा करने वालों की सूचना पुलिस को देंगे तो नशे की गतिविधियों पर नियंत्रण में सहयोग मिलेगा। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे जन कल्याणकारी कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। स्वच्छता और नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान में सहयोग करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि आमजन आधिकारिक पौधरोपण करते हुए क्षेत्र को हरियाला करनपुर बनाने में भी सहयोग दें।

राजस्थान महिला निधि ने किया कार्यशाला का आयोजन

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। राजीविका के जिला परियोजना प्रबंधक मुकेश जैमन ने बताया कि मंगलवार को एनआरएलएम टीम नई दिल्ली एवं डॉ. पूजा शर्मा मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजस्थान महिला निधि बैंक द्वारा जिला अजमेर के ब्लॉक अजमेर ग्रामीण के गनाहेड़ा कलस्टर पर महिला स्वयं सहायता सदस्यों से रूबरू होकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में राजस्थान बजट घोषणा मुख्यमंत्री लखपति दीदी ऋण योजना एवं राजीविका परियोजना के सम्बंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला स्वयं सहायता सदस्यों को राजीविका परियोजना की गतिविधियों एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम के परिलाभों से अवगत करवाया गया। ग्राम पंचायत परिसर में जिला परियोजना प्रबंधक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजस्थान महिला निधि द्वारा उपस्थित स्वयं सहायता सदस्यों एवं कलस्टर स्टॉफ के साथ पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति जागरूकता का भी संदेश दिया गया।

श्रमिकों को सुरक्षा साधनो के उपयोग के प्रति किया जागरूक

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) की सामुदायिक जागरूकता एंव जन सहभागिता इकाई ने जागरूकता कार्यक्रम के तहत 6 अगस्त 2025 को शहर के प्रताप सर्कील के पास जलापूर्ति कार्य के दौरान परियोजना में कार्यरत श्रमिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आरयूआईडीपी के अधीक्षण अभियन्ता हंसराम मीणा तथा सहायक अभियन्ता के मार्ग निर्देशन में किया गया। आरयूआईडीपी कैप इकाई के सामाजिक विकास विशेषज्ञ सुजीत शरण ने कहा कि विकास कार्यों में श्रमिकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती हैं। सुरक्षा साधनो की आवश्यकता व इसके महत्व पर विस्तृत प्रकाश

डाला उन्होंने आम जन से अपील करते हुए कहा कि परियोजना द्वारा सुरक्षा साधन उपलब्ध करवाये जा रहे है, इनका प्रयोग कार्य के दौरान अवश्य करें। उन्होंने सरकार के द्वारा चलाई जा रही लाभकारी योजनाओ की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार द्वारा श्रमिक हितो को ध्यान में रखते हुए अनेक जन कल्याणकारी योजना धरातल पर है, जिनकी जानकारी प्रत्येक श्रमिक साथी को होना आवश्यक हैं क्योंकि श्रमिक साथी राष्ट्रहित व विकास कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सहायक सामाजिक विकास विशेषज्ञ माया पाटीदार ने व्यक्तिगत स्वास्थ्य शिक्षा पर प्रकाश डाला तथा अपने जीवन में अमल करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान संवेदक फर्म की सोशल आउटरीच टीम की अनम आरा तथा युवराज पाटीदार उपस्थित रहे।

राजीविका के स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित राखियों व अन्य सामग्री की स्टॉल लगाई

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर एलएन मंत्री के निर्देशानुसार रक्षा बंधन से पहले कलेक्टरेट के पास मैन रोड़ पर राजीविका के स्वयं सहायता समूह द्वारा हस्त निर्मित राखियों एवं अन्य सामग्री की स्टॉल लगाई गई है। राजीविका जिला परियोजना प्रबंधक सविता टी ने बताया कि बुधवार को राजी.विका के महादेव एसएचजी समूह बाली, रामदेव एसएचजी पाली, मस्तान बाबा एसएचजी द्वारा राखियां एवं अुर्बदा एसएचजी बाली द्वारा प्राकृतिक शहद एवं काजू कतली, हजरत साहब एसएचजी बाली द्वारा हरा मैथी दाना एवं लक्ष्मी माता एसएचजी रानी स्टेशन द्वारा सॉफ की स्टॉल लगाई गई है। इसी प्रकार 7 अगस्त को भी ये स्टॉल यथावत रहेगी जो प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक लगाई जा रही है।

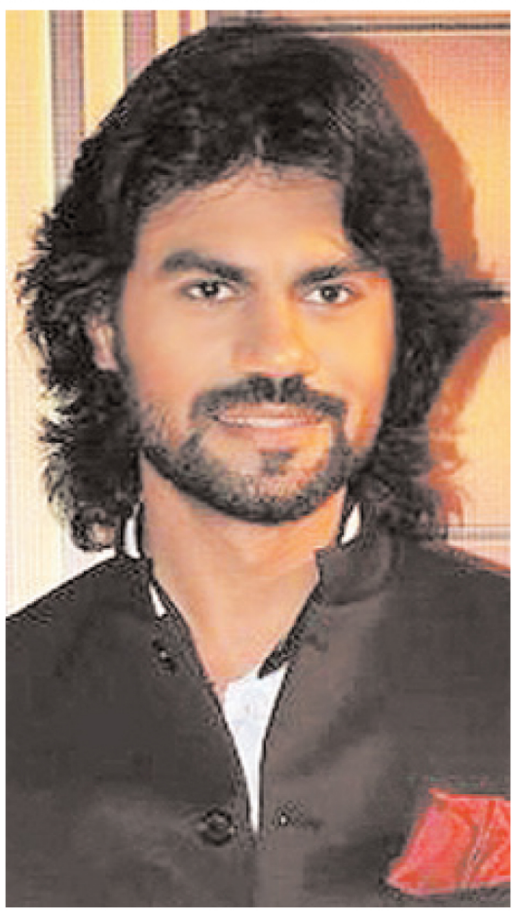

आज की पीढ़ी को रिश्ते में एडजस्ट करना नहीं सिखाया गया

छोटे पर्दे पर ऐक्टर गौरव चोपड़ा ने एक लंबा वक्त बिताया है। टीवी शो उतरन में काम करने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वहीं फिल्मों में भी उनके काम को सराहा गया। पिछले कुछ सालों से वह छोटे पर्दे से दूर थे, लेकिन अब उन्होंने पुष्पा इंपॉसिबल से वापसी की है।

आप पिछले कई साल से छोटे पर्दे से दूर हैं। इतने वक्त तक टीवी इंडस्ट्री से दूर रहने के पीछे क्या वजह रही? क्या आप किसी बदलाव के बारे में सोच रहे थे?

सबसे पहली बात जो बतानी जरूरी है कि अगर किसी एक मीडियम में, किसी प्लेटफार्म में, किसी ऐक्टर को दर्शकों ने अपने दिल में थोड़ी सी भी जगह दी है और आप उस प्लेटफॉर्म को छोटा समझें तो ये तो नाशुक्री की बात होगी। मेरे साथ ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मैं वो ऐक्टर कहलाना चाहता हूं, जो मीडियम को महत्व नहीं देता। मैं अपने दर्शकों और खुद के रिश्ते को महत्व देना चाहता हूं। लोगों को इतना भरोसा होना चाहिए कि अगर ये ऐक्टर किसी शो में आ रहा है, तो अच्छा ही होगा। रहीं 4-5 साल के बाद वापसी की तो उसकी वजह एक तो कोविड था। उस समय में संजीवनी के नाम से 2020 में आखिरी शो कर रहा था। उसके बाद मेरी दुनिया ने ही एक ब्रेक ले लिया था।

क्योंकि अपने कोविड की शुरूआत में ही ब्रेक ले लिया था, तब से अब तक दर्शक की सोच टीवी शोज और फिल्मों को लेकर काफी बदली है। वापसी के बाद आप इस बदलाव को किस तरह देख रहे हैं?

ये बदलाव का वक्त है तो अगर देखने के माध्यम बदले हैं तो लोगों का टेस्ट भी बदलता है। जैसे इंटरनेशनल कॉन्टेंट देखने से भी लोगों की पसंद पर फर्क पड़ा है। मुझे लगता है कि ये जो बदलाव एक दौर है, एक वक्त के बाद जब बदलाव पूरा होने को होगा, तो दर्शक अपनी-अपनी पसंद के हिसाब से सेटल हो जाएंगे, जिसको जो मीडियम पसंद होगा वो उसमें कॉन्टेंट देखेगा। जो दर्शक जैसा शो देखना चाहते हैं उनके लिए वैसा ही कॉन्टेंट बनाया जाएगा।

आपने अपने करियर में काफी काम किया है और आज एक बात कही जाती है कि काम के दबाव का असर लोगों के रिलेशनशिप पर भी पड़ रहा है, जिस वजह से रिश्ते बिखर रहे हैं। आपने भी रिलेशनशिप में ऐसा उतार-चढ़ाव देखा है? इस बारे में आप क्या सोचते हैं?

जी काम का दबाव रिश्ते पर जरूर पड़ता है। महिलाओं और मर्दों पर अलग-अलग पड़ता है। मर्दों से काम करने की समाज की अपेक्षा एक अलग ही दबाव है जबकि महिलाओं के लिए वो सपने को पूरा करने जैसा है। मैं तो खुद को बड़ा खुशकिस्मत मानता हूं कि मैं इतने संपन्न परिवार से था कि मैं कह सका मुझे ऐक्टर बनना है, वरना एक आम लड़के को 15-16 साल की उम्र में ही इस बात का अहसास करा दिया जाता है कि जल्दी घर की जिम्मेदारी उठाने लायक बनो। जो 1950 में देखा जाता था कि शादी के लिए एक लड़के में क्या गुण होने चाहिए, वो ही आज भी देखा जाता है। महिलाओं की स्थिति काफी बदल गई है। आज ये कोई उम्मीद नहीं करता कि आप घर आएंगी तो घर का काम ही करेंगी या बच्चे पालेंगी। वो काम करना चाहें, तो करती हैं। जब एक सोशल बदलाव आता है तो उसमें एक अडजस्टमेंट की जरूरत होती है। सच्चाई ये है कि उस अडजस्टमेंट के बारे में बच्चों को जागरुक नहीं किया जा रहा, उन्हें उसके बारे में पढ़ाया नहीं जा रहा। जो आपने माता-पिता के जीवन में देखा है, अब वैसा नहीं होगा। अब जिम्मेदारी कैसे बांटनी है, बच्चे को कैसे पालना है, ये हमें सोचना होगा। इसके लिए आज की पीढ़ी को तैयार नहीं किया गया है, इस वजह से मतभेद बढ़ रहे हैं और समाज का दबाव उस रिश्ते पर असर कर रहा है।

दिल्ली से मुंबई तक का सफर कैसा रहा?

जहां आपकी पैदाइश होती है, जहां आपने बचपन बिताया होता है, उस जगह से थोड़ा ज्यादा लगाव होता ही है। मैंने दिल्ली में सेंट कोलम्बस स्कूल से पूरी पढ़ाई की, जिसे आज के दौर में लोग शाहरुख खान के स्कूल के नाम से जानते हैं। वहां से और भी स्टार्स निकले हैं। हमारे स्कूल में इस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाता था कि लड़कियों के प्रति आपका व्यवहार कितना जेंटलमैन वाला है। आपकी पर्सनैलिटी कैसी है, इस पर भी जोर दिया जाता था। स्कूल के बाद मैंने फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की। कोर्स के बाद से ही मुझे ऐक्टिंग का शोक लगा था। फिर दिल्ली से मुंबई आ गया। मेरे लिए सबसे अच्छी बात ये रही है कि मुझे कभी स्ट्रगल नहीं करना पड़ा, मुझे आते ही काम मिल गया था।

अपने रिश्ते पर अविका गौर ने खुल कर की बात, बोलीं मैं मिलिंद को काफी डांटती हूं

अविका गौर और मिलिंद चंदवानी टीवी शो पति पत्नी और पंगा में साथ नजर आएंगे, जो इस समय दर्शकों के बीच खासा चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मौके पर कपल ने शो में भाग लेने के अपने अनुभव, रिश्ते के उतार-चढ़ाव, और अपनी जिंदगी के कई पहलुओं के बारे में खुलकर बात की। साथ ही उस किस्से को भी बताया, जब मिलिंद ने उन्हें फ्रेंड-जोन कर दिया था। अविका गौर ने बताया कि इस रियलिटी शो के लिए हां कहने का फैसला उन्होंने अकेले नहीं लिया, बल्कि मिलिंद ने उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, दिलचस्प बात यह है कि मैंने खुद यह फैसला नहीं लिया था, मिलिंद भी इस फैसले में शामिल थे। उन्होंने मुझे इसके लिए प्रोत्साहित किया। मैं इसे जबरदस्ती नहीं कहूंगी, लेकिन उनका स्पष्ट मानना था कि मुझे एक रियलिटी शो करना चाहिए ताकि जो लोग मुझे प्यार करते हैं और सराहते हैं, वे मुझे असली रूप में देख सकें। मुझे लगता है कि उनका विचार सही था। अविका ने कहा, पहले मैं अपनी छवि को लेकर काफी सजग रहती थी और हर चीज को परफेक्ट और डिप्लोमैटिक रखना चाहती थी, लेकिन मिलिंद ने मेरी इस सोच को तोड़ने में मदद की। अगर शो में मेरी कोई कमी नजर आएगी, तो मैं उसे सुधारने की कोशिश करूंगी। अविका ने कहा, मैं मिलिंद को काफी डांटती हूं, लेकिन बाद में जब मुझे लगता है कि मैं ज्यादा सख्त हो गई हूं तो माफी भी मांग लेती हूं। अपने रिश्ते की शुरुआत के बारे में बात करते हुए अविका ने कहा, हमारा रिश्ता दोस्ती से शुरू हुआ था। शुरुआत में मुझे फ्रेंड-जोन में रखा गया, लेकिन छह महीने बाद मिलिंद को अपनी भावनाओं का एहसास हुआ। अब छह साल हो चुके हैं और हमारी सगाई हो चुकी है। हमने इस पूरे सफर को बेहद खूबसूरती से जिया है। बता दें कि पति-पत्नी और पंगा कलर्स चैनल पर हर शनिवार और रविवार रात 9.30 बजे प्रसारित होगा।

फरहान अख्तर ने अपनी 120 बहादुर की सह-कलाकार राशि खन्ना की जमकर तारीफ की

'120 बहादुर' का टीज़र लॉन्च केवल एक प्रमोशनल इवेंट नहीं था, बल्कि यह आपसी सम्मान, कलात्मक तालमेल और साझा उद्देश्य का एक सशक्त उत्सव बन गया। इस कार्यक्रम में पैन-इंडिया स्टार राशी खन्ना और फरहान अख्तर ने दर्शकों को अपने ऑफ-स्क्रीन रिश्ते की एक झलक दिखाई, जो आपसी सम्मान और सच्ची केमिस्ट्री पर आधारित था। टीज़र में जहाँ रेजांग-ला के युद्ध की एक गंभीर और भावनात्मक कहानी दिखाई गई, वहीं मंच पर एनर्जी ताज़गी भरी, फिर भी बेहद सम्मानजनक रही। फिल्म में राशि के किरदार पर बात करते हुए फरहान अख्तर ने उनकी तारीफ़ करने से खुद को रोक नहीं पाए- राशि, आपके साथ काम करना एक बेहद शानदार अनुभव रहा। वह कहती हैं कि यह कहानी खुद उनके पास आई, लेकिन मुझे लगता है कि शायद इसका उल्टा हुआ है। मेरा मानना है कि रास्ते खुद उन लोगों को ढूंढते हैं जो उन्हें निभाने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं। और इस भूमिका के लिए राशि को लेना – इससे बेहतर निर्णय हम कर ही नहीं सकते थे। वह फिल्म में बेहद शानदार हैं। आपने जो अभी देखा है, वह तो सिर्फ़ एक टीज़र है – असली जादू अभी बाकी है। यह एक सच्चे सम्मान का पल था, जिसने राशि को भी भावुक कर दिया। उन्होंने उतनी ही गर्मजोशी और सच्चाई से जवाब दिया- जब हम इस फिल्म के लिए एक साथ आए, तो सबसे पहले मुझे फरहान सर का धन्यवाद करना है क्योंकि उन्होंने ही बातचीत की शुरुआत की। मैं थोड़ी शर्मीली हूं, लेकिन सर बहुत ही विनम्र और सहज थे।एक व्यक्ति के रूप में उनकी ख़ासियत पर विचार करते हुए, उन्होंने आगे कहा- मेरे माता-पिता ने हमेशा सिखाया है कि किसी इंसान को समझना हो, तो यह देखो कि वह अपने आसपास के लोगों से कैसा व्यवहार करता है। और फरहान सर हर किसी को बराबरी का सम्मान देते हैं – चाहे वह कोई भी हो। यह एक ऐसी खूबी है जो मैंने बहुत कम लोगों में देखी है। इसलिए मैं उन्हें एक इंसान के तौर पर और भी ज़्यादा पसंद करती हूं। बेशक, मैं उन्हें एक अभिनेता और निर्देशक के रूप में सराहती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उन्हें एक इंसान के रूप में भी बहुत पसंद करती हूँ। वह बहुत ही प्रेरणादायक और बहुत ही अनुशासित हैं। और अब तो सब जानते हैं कि जब मैं कुछ कहती हूं, तो दिल से कहती हूं। और मैं दिल से कह रही हूं – यह अनुभव वाकई अद्भुत रहा है। और मैं सच में उम्मीद करती हूं कि आगे भी मुझे उनके साथ काम करने के ऐसे और मौके मिलें। मीडिया ने भी उनकी सहज दोस्ती और मंच पर साझा किए गए हल्के-फुल्के पलों को तुरंत भांप लिया। फरहान और राशि की हाज़िरजवाबी और सेंस ऑफ ह्यूमर ने पूरे इवेंट को जीवंत बनाए रखा। '120 बहादुर' जैसी फिल्म, जो गहरे भावनात्मक स्तर और जटिल पात्रों पर आधारित है, उसमें ऑफ-स्क्रीन तालमेल ऑन-स्क्रीन प्रभाव को और भी गहरा बना देता है। और जहाँ एक ओर पूरी नज़र फिल्म

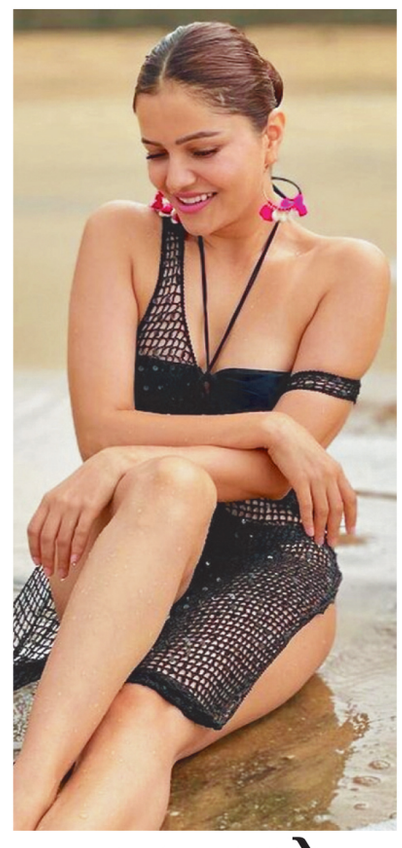

इस वजह से रुबीना ने स्वीकारा पति पत्नी और पंगा का ऑफर

लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री रुबीना दिलैक और उनके पति अभिनव शुक्ला पॉपुलर शो पति-पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उन्होंने मां बनने के बाद शो का ऑफर क्यों स्वीकार किया।

अभिनेत्री ने बताया, इस शो की कहानी उनकी जिंदगी के नए दौर से मेल खाती है। साथ ही इस शो के जरिए उन्हें अपने पति अभिनव के साथ स्क्रीन पर नया अनुभव करने का मौका मिला। मां बनने के बाद मैं अपने पति के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती थी। कुछ मस्ती भी करनी थी, इसलिए मैंने यह शो किया।

जब अभिनेत्री से पूछा गया, क्या रियलिटी शो स्क्रिप्टेड होते हैं?

छोटी बहू फेम अभिनेत्री ने बताया, रियलिटी शो स्क्रिप्टेड नहीं होते, लेकिन उन्हें थोड़ा निर्देशित किया जाता है। अगर कोई चीज अच्छी चल रही हो, तो शो के निर्माता उसे और हाइलाइट करते हैं। यह स्क्रिप्टेड नहीं, बल्कि गाइडेड होता है। वहीं, अभिनेता अभिनव शुक्ला ने रियलिटी शो में स्क्रीन टाइम और रिश्तों की लंबी उम्र के बारे में भी बात की। उनके मुताबिक, रिश्ते में जितना ज्यादा स्क्रीन टाइम होता है, रिश्ता उतना ही कम समय तक चल सकता है। रुबीना ने उनकी बात का समर्थन करते हुए कहा, अभिनव सही कह रहे हैं। जितना ज्यादा हम एक-दूसरे की बातों और सोच को स्वीकार करेंगे, रिश्ता उतना ही बेहतर होगा। एक अच्छा रिश्ता तब बनता है, जब हम एक-दूसरे को वैसे ही अपनाएं, जैसे हम हैं। जब हम ये समझते हैं कि हम अलग हैं और फिर भी एक-दूसरे की इज्जत करते हैं, तो रिश्ते में प्यार और समझ बढ़ती है।

अभिनव शुक्ला ने बताया कि जब किसी बात पर बहस या मतभेद होता है, तो वह उसे संभालने का एक शांत तरीका अपनाते हैं। अभिनव ने कहा, जब हम दोनों के बीच झगड़ा होने लगता है, तो मैं थोड़ा पीछे हट जाता हूं, या फिर रुबीना को स्पेस देता हूं, थोड़ी देर बाद शांत होकर दोबारा उस बात पर चर्चा करता हूं, ताकि समस्या आसानी से सुलझ जाए। कुछ परेशानियां, कुछ घंटों में सुलझ जाती हैं, तो कुछ में ज्यादा समय लग जाते हैं। अभिनव ने मजाकिया अंदाज में कहा, हमारे रिश्ते में तो मैं बस यही कहता हूं, जो तुम कहो। और, अब ये लाइन काफी फेमस हो गई है।

साभार एजेंसी

सलमान संग बड़े पर्दे पर नजर आएंगी चित्रांगदा , बोलीं- यह रियल हीरोज को सम्मान

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल बैटल ऑफ गलवान है। उन्होंने फिल्म को साहस और वीरता की एक सच्ची और जमीनी कहानी बताया। वास्तविक घटनाओं पर आधारित इस फिल्म को चित्रांगदा ने रियल हीरोज का सम्मान बताया। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह का कहना है कि उन्हें इस फिल्म में सबसे खास चीज जो नजर आई है, वह थी इसकी भावनात्मक गहराई और मजबूत थीम। चित्रांगदा ने फिल्म के बारे में बताया, यह एक ऐसी कहानी है जो साहस और वीरता को दर्शाती है। आर्मी बैकग्राउंड होने की वजह से मैंने इस फिल्म से जुड़ने के बारे में सोचा। मैंने इस घटना के बारे में पहले काफी सुना था। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा, फिल्म की कहानी सुनकर गर्व होता है, और मैं फिल्म में अपनी भूमिका को एक किरदार से बढ़कर मानती हूं, क्योंकि फिल्म का उद्देश्य केवल वास्तविक नायकों को सम्मान देना और कम चर्चित कहानियों को मुख्यधारा में लाने का एक प्रयास है। फिल्म में सलमान खान के साथ काम करने के अनुभव के बारे में चित्रांगदा ने कहा, सलमान जिस प्रोजेक्ट का हिस्सा होते हैं, वह अपने आप में बड़ा बन जाता है। चाहे अभिनेता हो या तकनीशियन, सब कुछ बड़े स्तर पर होता है। यह कहानी ऐसी है जिसे बताया जाना चाहिए, और मुझे खुशी है कि मैं इसका हिस्सा हूं।

इससे पहले सलमान खान फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इंडिया गेट से चित्रांगदा सिंह की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की। साथ में लिखा, सादगी और शालीनता का रूप चित्रांगदा सिंह का बैटल ऑफ गलवान की टीम में स्वागत है। बता दें कि इस फिल्म से पहले चित्रांगदा ने अपनी फिल्म रात अकेली है-2 के निर्देशक हनी त्रेहन के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया था। उन्होंने बताया था कि इस फिल्म में एक शॉट के लिए उन्हें 28 रीटेक देने पड़े थे, उनके करियर में ऐसा पहली बार हुआ था। अभिनेत्री ने कहा था, हनी बहुत सख्त निर्देशक हैं। इस चुनौतीपूर्ण किरदार ने मेरे अभिनय को और बेहतर बना दिया था। चित्रांगदा का मानना है कि वास्तविक जीवन पर आधारित कहानियां उन्हें एक कलाकार के रूप में प्रेरित करती हैं। ऐसी कहानियां दर्शकों के लिए एक नई दुनिया तैयार करती है और इन्हें बताना जरूरी है।

सारे जहां से अच्छा में मेरा किरदार लंबा नहीं, लेकिन असरदार है: कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा इन दिनों सारे जहां से अच्छा सीरीज के रिलीज होने का इंतजार कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपनी भूमिका को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस सीरीज में काम करके खुशी और आत्मविश्वास महसूस हुआ। साथ ही बताया कि इसमें सिर्फ एक या दो नहीं, बल्कि कई मुख्य कलाकार हैं। कृतिका कामरा ने कहा, मैंने पहले भी कई ऐसी कहानियों में काम किया है जिनमें महिला किरदार बहुत मजबूत रहे हैं, और ये अनुभव मेरा आत्मविश्वास को बढ़ाता है। लेकिन मेरे लिए ये सबसे जरूरी है कि जो रोल मुझे मिल रहा है, वो दमदार हो और कहानी ऐसी हो जो मुझे पसंद आए और जिसपर मैं भरोसा कर सकूं। उन्होंने कहा कि सारे जहां से अच्छा देशभक्ति से भरी कहानी है। इसमें कई पहलू हैं; हर किरदार और घटना के पीछे कई रहस्य छिपे हैं। कृतिका ने कहा, भले ही मेरा रोल ज्यादा लंबा न हो, लेकिन कहानी में मेरे किरदार का असर काफी बड़ा है, इसलिए मुझे अपने किरदार को लेकर पूरा विश्वास है कि वह दर्शकों के दिलों में उतरेगा। मैं खुद को इस सीरीज का जरूरी हिस्सा मानती हूं। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए किरदार की लंबाई नहीं, बल्कि उसका असरदार और मकसद होना ज्यादा जरूरी है। एक एक्टर के तौर पर मुझे वही रोल पसंद आते हैं जो कुछ मतलब रखते हों। मैं सच में चाहती हूं कि ये शो जल्दी लोगों तक पहुंचे, क्योंकि इसकी कहानी बहुत मजबूत और प्रेरणादायक है। इस सीरीज में कृतिका कामरा के अलावा, प्रतीक गांधी, रजत कपूर, सनी हिंदुजा, सुहैल नय्यर, तिलोत्तमा शोम और अनूप सोनी अहम रोल में हैं। इसकी कहानी 1970 के दशक के समय पर आधारित है,.

उम्र बढ़ना अभिनेत्रियों के लिए एक समृद्ध अनुभव - ईशा कोप्पिकर

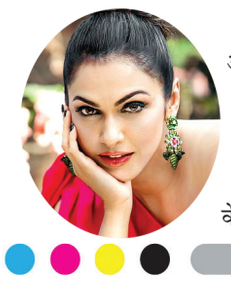

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर का मानना है कि उम्र बढ़ना अभिनेत्रियों के लिए एक समृद्ध अनुभव है। उनके अनुसार, जीवन के अनुभवों से मिली समझ को अभिनेत्री अपनी ताकत बना सकती हैं, जो उनकी अभिनय कला को और निखारता है। ईशा ने 2019 में रिलीज हुई फिल्म सांड की आंख का उदाहरण देते हुए कहा, इस फिल्म में युवा अभिनेत्रियों को बुजुर्ग किरदारों में दिखाया गया। नीना गुप्ता ने भी सवाल उठाया था कि 50-60 साल की महिलाओं के किरदार के लिए 30 साल की अभिनेत्रियों को क्यों चुना जाता है? ऐसे में उन अभिनेत्रियों को मौका क्यों नहीं मिलता, जो अपनी प्रतिभा साबित कर चुकी हैं? उन्होंने आगे कहा, उम्र के साथ भावनात्मक समझ गहरी होती है, और यही गहराई किसी किरदार को खास बना सकती है।

ये 10 भारतीय क्रिकेटर्स कभी भी कर सकते हैं संन्यास का ऐलान, वापसी अब लगभग नामुमकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो चुकी है कि एक बार टीम से बाहर हुए खिलाड़ी के लिए वापसी की राह बेहद कठिन हो जाती है. कुछ खिलाड़ी शानदार घरेलू प्रदर्शन से वापसी कर लेते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिनके लिए टीम इंडिया का दरवाजा लगभग हमेशा के लिए बंद हो जाता है. यहां हम बात कर रहे हैं उन 10 भारतीय क्रिकेटरों की, जिनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी अब लगभग असंभव मानी जा रही है.

हनुमा विहारी

हनुमा विहारी ने 2021 के सिडनी टेस्ट में साहसी बल्लेबाजी कर टीम को ड्रॉ दिलाया था, लेकिन इसके बाद से उन्होंने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है. 2022 के बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है.उनका भारतीय टीम में वापसी करना अब न के बराबर है.

युजवेंद्र चहल

35 साल के हो चुके चहल फिलहाल दो साल से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. उनके स्थान पर युवा स्पिनर्स को प्राथमिकता दी जा रही है. उम्र और हालिया फॉर्म को देखते हुए भारतीय टीम में उनकी वापसी अब मुश्किल लग रही है.

अजिंक्य रहाणे

टीम इंडिया के पूर्व उपकप्तान रह चुके रहाणे को अब घरेलू टूर्नामेंट्स में भी लगातार अनदेखा किया जा रहा है. दिलीप ट्रॉफी जैसी प्रतियोगिताओं में भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, जिससे यह साफ है कि अब उनकी टीम में वापसी की संभावना बेहद कम है.

चेतेश्वर पुजारा

भारत के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अब कमेंट्री करते नजर आ रहे हैं. उनकी क्रिकेट के मैदान से दूरी और उम्र को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि वो कभी भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सकते हैं.

विजय शंकर

विजय शंकर 2019 की वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा थे, लेकिन बीच टूर्नामेंट में ही चोट के बाद वो बाहर हो गए थे. उसके बाद शंकर टीम में वापसी नहीं कर सके. विजय शंकर घरेलू स्तर पर भी प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और अब भारतीय टीम में वापस चयन से दूर हो चुके हैं.

जयदेव उनादकट

34 वर्षीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था और 2023 में भारत की ओर से कुछ मुकाबले भी खेले थे, लेकिन बाद में वो टीम से फिर से बाहर हो गए थे. आज के समय में भारतीय टीम में युवा पेसर्स की भरमार के बीच उनकी जगह बनना अब मुश्किल है.

अमित मिश्रा

42 साल के मिश्रा ने भले ही अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा नहीं की है, लेकिन उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2017 में खेला था. भारतीय टीम में उनकी वापसी की संभावना न के बराबर है.

मनीष पांडे

मनीष पांडे 2021 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन औसत रहा है, जिससे चयनकर्ता उन्हें टीम में दोबारा मौका नहीं दे रहे.

हर्षल पटेल

हर्षल पटेल आईपीएल में विकेट जरूर लेते हैं, लेकिन उनकी इकोनॉमी रेट हमेशा से चिंता का विषय रहा है. टीम इंडिया में इस समय तेज गेंदबाजों की लंबी कतार है, जिससे टीम में उनकी वापसी मुश्किल दिखती है.

दीपक हुड्डा

10 वनडे और 21 टी20 मैच खेलने के बाद से दीपक हुड्डा 2 साल से टीम से बाहर चल रहे हैं. आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन कुछ खाल नही रहा है, जिसके चलते उन्हें दोबारा टीम इंडिया में मौका मिलना मुश्किल लगता है.

एशिया कप 2025 से पहले

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी अग्नि परिक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है।

हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए बीसीसीआई अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें।

उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है। केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद बीसीसीआई कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

कैनेडियन ओपनः

टॉसन ने कीज को हराया, सेमीफाइनल में ओसाका से भिड़ेंगी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। क्लारा टॉसन ने कैनेडियन ओपन में मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज पर 6-1, 6-4 से जीत हासिल कर 2025 के अपने दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टॉसन को पहला सेट जीतने में सिर्फ 27 मिनट लगे। दूसरा सेट टॉसन के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा। इगा स्वियाटेक और मैडिसन कीज पर लगातार जीत के साथ क्लारा टॉसन ने अपने सातवें डब्ल्यूटीए सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। टॉसन का अगला मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका से होगा, जिन्होंने 10वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। ओसाका ने स्वितोलिना को आठ मैचों में पांचवीं बार हराकर अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कुल मिलाकर, इस जीत के साथ ओसाका छठी बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मियामी ओपन 2022 के बाद यह उनका पहला सेमीफाइनल है। टॉसन के साथ अपने सेमीफाइनल मुकाबले के बारे में बात करते हुए, ओसाका ने कहा, वह वाकई बहुत मजबूत हैं। मैंने इस साल ऑकलैंड में उनके साथ खेला था और चोटिल होने के कारण मुझे बीच में ही मैच रोकना पड़ा था। इसलिए, मैं बहुत खुश हूं कि मैं स्वस्थ हूं और मुझे उम्मीद है कि देखने आने वाले सभी लोगों के लिए यह एक अच्छा मैच होगा। ओसाका और टॉसन का सेमीफाइनल मुकाबला उनके करियर का दूसरा मुकाबला होगा। टॉसन ने इस साल की शुरुआत में ऑकलैंड में अपना पहला मैच जीता था। उस मैच में, ओसाका को पहला सेट 6-4 से जीतने के बाद रिटायर होना पड़ा था।

Chennai Grand Masters:

एक दिन के लिए स्थगित हुआ चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट, इस कारण लेना पड़ा फैसला

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट को एक दिन के लिए स्थगित किया है और अब इसका आयोजन बुधवार के बजाए गुरुवार को होगा। आयोजकों को यह फैसला इसलिए लेना पड़ा क्योंकि जिस होटल में इसे होना है वहां आग लग गई। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है।

भारतीय ग्रैंडमास्टर और टूर्नामेंट के निदेशक श्रीनाथ नारायण ने एक्स पर लिखा, पिछली रात होटल में आग लग गई जहां चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स होना था। सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं और उन्हें पास के एक अन्य होटल में भेजा गया है। टूर्नामेंट एक दिन के लिए स्थगित किया जाता है। खिलाड़ियों को अंततः होटल वापस लाया गया, लेकिन सुरक्षा जांच के बाद टूर्नामेंट एक दिन बाद शुरू होगा।

समय में नहीं होगा बदलाव

चेसबेस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई के होटल हयात रीजेंसी के नौवें तल्ले पर आग लग गई जिस कारण पूरे होटल में धुआं छा गया और सभी को होटल से बाहर निकाला गया। इस दौरान वहां सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बताया कि मैच का समय वही रहेगा, लेकिन अब कार्यक्रम से रेस्ट डे हटाया गया है। उन्होंने कहा, समय वही रहेगा और टूर्नामेंट 15 अगस्त को ही समाप्त होगा। बीच में एक दिन का विश्राम था और अब वह कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स की पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये है। इस प्रतियोगिता में भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी, अनुभवी विदित गुजराती और नीदरलैंड के अनीश गिरी जैसे नामी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के अवॉन्डर लियांग के खिलाफ करेंगे। पहली बार इसमें मास्टर्स और चैलेंजर्स वर्ग में क्लासिकल राउंड रॉबिन प्रारूप में नौ से अधिक दौर खेले जाएंगे। इससे पहले दो सत्र में सात दौर ही खेले जाते थे। इसमें 19 ग्रैंडमास्टर्स भाग लेंगे और फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे जो 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पाने के लिए अहम होंगे।

क्या मोहम्मद शमी की टेस्ट क्रिकेट में वापसी अब मुश्किल हो गई है?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट से बाहर चल रहे हैं। भारत और इंग्लैंड सीरीज के बाद क्या उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी होगी। इसे लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। मोहम्मद शमी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद इंजरी की वजह से एक साल से अधिक समय तक क्रिकेट से दूर रहे। फिट होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में खेला। उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था और इसी वजह से उन्हें टी20 और फिर वनडे फॉर्मेट में जगह दी गई। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उनकी वापसी अभी तक नहीं हो पाई है। न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज, ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज, इंग्लैंड टेस्ट सीरीज तीन ऐसे मौके थे, जब शमी की टेस्ट में वापसी हो सकती थी। लेकिन चाहे फिटनेस का कारण रहा हो या युवाओं को अधिक मौके देना, शमी भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पाए। हाल के मैचों में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने युवा तेज गेंदबाजों को अहमियत दी है। इंग्लैंड दौरे के लिए आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया। इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया था कि शमी 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। उनके साथ कुछ समस्याएं हैं। टीम प्रबंधन ने शमी को लेकर जोखिम लेने से मना कर दिया। नतीजन, युवाओं को इंग्लैंड में मौका मिला और उन्होंने इसे भुनाने की पूरी कोशिश की। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार गेंदबाजी की। आकाश दीप ने बर्मिंघम टेस्ट और प्रसिद्ध कृष्णा ने द ओवल टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कृष्णा ने तीन टेस्ट में 14, आकाश दीप ने 3 टेस्ट में 13 विकेट लिए। बुमराह और सिराज टेस्ट में लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सिराज ने 5 मैचों में 23 विकेट लिए, जो सीरीज में सर्वाधिक रहे। वहीं बुमराह ने भी 3 मैच में 14 विकेट लिए।

सवाल ये है जसप्रीत बुमराह, सिराज की मौजूदगी और आकाश दीप और कृष्णा के चमकदार प्रदर्शन के बाद क्या अब भी

शमी की टेस्ट टीम में वापसी संभव है?

शमी की वापसी होगी या नहीं, इसका जवाब तो बीसीसीआई दे सकती है। लेकिन, कुछ चीजें हैं, जो फिलहाल इस तेज गेंदबाज के पक्ष में नहीं दिखती। शमी के साथ इंजरी की समस्या रहती है। वह 3 सितंबर को 35 साल के हो जाएंगे। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया मैनेजमेंट युवा तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रही है, जो मौका मिलने पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में फिटनेस, उम्र शमी के पक्ष में नहीं है, साथ ही युवा गेंदबाजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा भी है।

Asia Cup 2025: शुभमन गिल, साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल

एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हैं जो 9 सितंबर से शुरू होगा। भारत को सितंबर के अंत हमें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है, लेकिन इसके बावजूद ये तीनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल हैं। एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान अगस्त के तीसरे सप्ताह में किया जा सकता है। हालांकि

गिल और यशस्वी ने व्यस्त शेड्यूल की वजह से पिछले कुछ टी20 सीरीज में भारत के लिए नहीं खेले थे, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद वो एशिया कप के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक टीम इंडिया के सेलेक्टर्स ने विकल्प खुले रखे हैं। एशिया कप का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा जबकि इसके लगभग एक सप्ताह के अंदर ही वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू हो जाएगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा।

बांग्लादेश के बाद अफगानिस्तान ने भी किया संभावित टीम का ऐलान

एशिया कप 2025

अफगानिस्तान की प्रारंभिक टीम

1. रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर)
2. सेदिकुल्लाह अटल
3. वफीउल्लाह तारखिल
4. इब्राहिम जादरान
5. दरविश रसूली
6. मोहम्मद इशाक
7. राशिद खान (कप्तान)
8. मोहम्मद नबी
9. नांग्याल खरोती
10. शराफुद्दीन अशरफ
11. करीम जनत
12. अजमतुल्लाह उमरजई
13. गुलबदीन नैब
14. मुजीब जादरान
15. एएम गजनफर
16. नूर अहमद
17. फजल हक फारूकी
18. नवीन उल हक
19. फरीद मलिक
20. सलीम सफी
21. अब्दुल्ला अहमदजई
22. बशीर अहमद

एशिया कप 2025 के लिए खेला बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2025 के लिए शुरुआती टीम चुन ली है, जिसमें 22 खिलाड़ियों के नाम हैं। साथ ही बोर्ड के अधिकारी ने कहा कि स्टार लेग स्पिनर राशिद खान की खराब फॉर्म को लेकर चिंता नहीं है। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि जल्द ही वह फॉर्म में वापसी कर लेंगे। एसीबी ने 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आगामी एशिया कप के लिए राशिद की अगुवाई में 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा की है।

राशिद ने इंडियन प्रीमियर लीग के बाद मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के लिए मेजर लीग क्रिकेट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। उनका प्रदर्शन काफी खराब रहा। उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए 9.34 की इकॉनमी रेट और 57.11 की औसत से सिर्फ 9 विकेट लिए थे। एसीबी की चयन समिति के सदस्य मीर मुबारिज ने क्रिकबज से कहा- राशिद खान अफगानिस्तान के सुपरस्टार खिलाड़ी हैं। उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। फॉर्म में होना या खराब होना खेल का हिस्सा है, लेकिन वह अच्छी तरह जानते हैं कि कैसे मजबूती से वापसी करनी है और टीम और देश के लिए बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करना है। यूएई में अफगानिस्तान करेगा एशिया कप की तैयारी, पाकिस्तान के साथ ट्राई सीरीज

बोर्ड त्रिकोणीय टी20 सीरीज में भाग लेने से पहले दो हफ्ते का तैयारी शिविर आयोजित करेगा, जिसमें यूएई और पाकिस्तान शामिल हैं। इस सीरीज के बाद अफगानिस्तान एशिया कप फोकस करेगा, जिसमें उसके ग्रुप में हॉन्गकॉन्ग, बांग्लादेश और श्रीलंका हैं। मुबारिज ने कहा- हमने त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप से पहले तैयारी शिविर के लिए एक प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है, जहां नए खिलाड़ियों की जांच कोचिंग स्टाफ और कप्तान दोनों प्रशिक्षण और तैयारी शिविर के दौरान करेंगे।

द हंड्रेड: 45 गेंदों में 0 रन, खेल शुरू होते ही हीरो बने राशिद खान, वॉर्नर-विलियमसन की टीम का काम तमाम

नई दिल्ली, एजेंसी। नए सीजन का आगाज राशिद खान की हीरोपंती के साथ हुआ है. 5 अगस्त को लंदन स्पिरिट और ओवल इन्विंसिबल के बीच मुकाबले के साथ द हण्ड्रेड का आगाज हुआ, जिसमें राशिद खान ने अपने नाम के मुताबिक कमाल किया. बल्लेबाजों को नाच नचा देने वाली राशिद खान की गेंदों का ही नतीजा रहा कि मेंस कैटेगरी में खेला द हण्ड्रेड का पहला मैच लो-स्कोरिंग रहा. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि टीम में वॉर्नर-विलियमसन जैसे बल्लेबाजों के होने के बावजूद लंदन स्प्रिट ने 45 गेंदें बर्बाद की. मतलब, उन पर कोई रन ही नहीं बनाए. अब ऐसे में ओवल इन्विंसिबल को जो टारगेट मिला, वो इतना छोटा रहा कि उसे चेज करना उनके लिए आसान हो गया. पहले बैटिंग

करने उतरी लंदन स्पिरिट का हाल इतना बुरा रहा कि 45 गेंदें तो उसने डॉट खेली हीं, उसके अलावा उससे अपनी इनिंग की पूरी 100 गेंदें भी नहीं खेली गई. लंदन स्प्रिट की पारी सिर्फ 94 गेंदों में ही सिमट गई. इन 94 गेंदों में उसने सिर्फ 80 रन बनाए. लंदन स्प्रिट को डेविड वॉर्नर और केन विलियमसन से उम्मीदें थीं मगर उन दोनों की कहानी 9-9 रन से आगे नहीं बढ़ सकी. लंदन स्पिरिट की इस हाल के जिम्मेदार वैसे तो ओवल इन्विंसिबल के सारे गेंदबाज रहे. मगर राशिद खान और सैम करन की भूमिका इसमें कुछ ज्यादा रही.

द हण्ड्रेड के नए सीजन का खेल शुरू होते ही राशिद खान हीरो बन गए. ओपनिंग मैच में उन्होंने अपने कोटे की 20 गेंदों में जितने रन नहीं दिए, उससे ज्यादा गेंदें डॉट फेंकी. उन्होंने 20 गेंदों में सिर्फ 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए. इस दौरान 15 गेंदें उन्होंने डॉट फेंकी.

CRPF की गाड़ी 200 फीट खाई में गिरी: उधमपुर में बड़ा हादसा

-3 जवान शहीद, 5 गंभीर रूप से घायल

जम्मू-कश्मीर, उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) के जवानों को ले जा रही एक बस अचानक सड़क से फिसलकर लगभग 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस भीषण दुर्घटना में 3 जवानों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के वक्त वाहन में कुल 21 जवान सवार थे। यह हादसा उधमपुर जिले के बट्टल बलियान क्षेत्र के पास हुआ, जहाँ पर अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह गहरी खाई में जा गिरा। स्थानीय पुलिस, प्रशासन और सेना की संयुक्त टीमों ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया और सभी घायलों को रेस्क्यू कर नज़दीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हादसे की पूरी जानकारी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, CRPF की यह बस 187वीं बटालियन के जवानों को लेकर जम्मू से श्रीनगर की ओर जा रही थी। उधमपुर के बट्टल बलियान के पास एक मोड़ पर वाहन फिसल गया और सीधे खाई में जा गिरा। बताया जा रहा है कि उस वक्त सड़क पर बारिश की वजह से फिसलन थी, जिससे ड्राइवर वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया। स्थानीय लोगों ने जब जोरदार धमाके की आवाज़ सुनी तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया और खुद भी राहत कार्य में जुट गए। कुछ ही समय में पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुँची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

घटनास्थल से दर्दनाक तस्वीरें

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खाई में गिरी बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। कई जवानों के शरीर पर गंभीर चोटें थीं और कुछ जवान बस के नीचे दबे हुए थे। स्थानीय ग्रामीणों ने बिना देर किए स्ट्रेचर, कपड़े और रस्सियों की मदद से जवानों को ऊपर लाने में मदद की। रेस्क्यू कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए सेना की मदद भी ली गई। घटनास्थल पर सर्च ऑपरेशन को अंधेरा होने तक चलाया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई जवान लापता न हो।

मृतकों और घायलों की पहचान

इस दुर्घटना में जिन तीन जवानों की मौत हुई है, उनकी पहचान इस प्रकार की गई है:

हेड कांस्टेबल रमेश यादव (उत्तर प्रदेश)

कांस्टेबल शंकर सिंह (राजस्थान)

कांस्टेबल मुस्तफा खान (महाराष्ट्र)

वहीं, जिन पांच जवानों की हालत गंभीर बनी हुई है, उन्हें एयरलिफ्ट कर जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज (GMC) में भर्ती कराया गया है। बाकी जवानों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद निगरानी में रखा गया है।

CRPF और प्रशासन की प्रतिक्रिया

CRPF की ओर से बयान जारी कर कहा गया है कि यह हादसा अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और मृतकों के परिजनों को पूर्ण सहयोग व आर्थिक सहायता दी जाएगी। साथ ही घायलों को हर संभव मेडिकल सुविधा प्रदान की जा रही है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी हादसे पर दुख जताया और ट्वीट करते हुए लिखा, "उधमपुर में हुए CRPF वाहन दुर्घटना में जवानों की मृत्यु अत्यंत दुःखद है। मैं शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूँ और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।"

हादसे के कारणों की जांच शुरू

हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि बारिश की वजह से सड़क पर फिसलन थी और मोड़ काफी तीखा था। हालाँकि यह भी देखा जा रहा है कि क्या वाहन में कोई तकनीकी खराबी थी, या चालक की ओर से कोई चूक हुई। CRPF और स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीम दुर्घटना स्थल का मुआयना कर रही है और CCTV फुटेज एवं स्थानीय लोगों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

बारिश और दुर्गम रास्ते – चुनौतीपूर्ण हालात

जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी क्षेत्रों में अक्सर बरसात के मौसम में सड़कें फिसलन भरी और खतरनाक हो जाती हैं। कई बार खराब मौसम और दुर्गम इलाके में रास्तों की स्थिति असुरक्षित हो जाती है, जिससे ऐसे हादसे होते रहते हैं। सुरक्षा बलों की आवाजाही के लिए भी ये इलाके चुनौतीपूर्ण साबित होते हैं। विशेषज्ञों की राय में इन पहाड़ी मार्गों पर स्पेशल ड्राइविंग ट्रेनिंग और वैकल्पिक रूट्स की ज़रूरत है।

राहुल गांधी का बड़ा आरोप: चुनाव आयोग ने BJP के साथ मिलकर किया चुनाव चोरी

-वोटर लिस्ट में 40 लाख फर्जी नाम

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर भारतीय चुनाव प्रणाली की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग (EC) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर चुनाव आयोग के साथ मिलकर "चुनाव चुराने" का आरोप लगाते हुए कहा है कि महाराष्ट्र में 40 लाख से अधिक संदिग्ध मतदाता नाम हैं, जबकि कर्नाटक में भी वोटर लिस्ट में बड़े स्तर पर गड़बड़ियां की गई हैं। राहुल ने सबूत के तौर पर एक प्रेजेंटेशन के ज़रिए स्क्रीन पर मतदाता सूची (वोटर लिस्ट) के उदाहरण दिखाए और दावा किया कि यह लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक संकेत हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल का बड़ा दावा

दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा, "यह सिर्फ एक तकनीकी गड़बड़ी नहीं है, यह लोकतंत्र की हत्या है। भारतीय चुनाव आयोग, BJP के साथ मिलकर वोटर लिस्ट में फर्जी नाम जोड़कर और असली वोटरों को हटाकर चुनावी नतीजों को प्रभावित कर रहा है।" उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में करीब 40 लाख संदिग्ध नाम मतदाता सूची में मौजूद हैं। कई ऐसे नाम हैं जिनकी उम्र 100 साल से ऊपर बताई गई है, लेकिन वे हर बार मतदान करते हैं। साथ ही, एक ही नाम अलग-अलग विधानसभाओं और ज़िलों में बार-बार दोहराया गया है।

राहुल का डेटा आधारित हमला

राहुल गांधी ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी और सहयोगी संगठनों ने एक विस्तृत डेटा एनालिसिस किया है, जिससे पता चला है कि: महाराष्ट्र के करीब 10 जिलों में 40 लाख से ज्यादा संदिग्ध वोटर हैं, जो या तो नकली हैं या दोहराए गए हैं। कई मतदाताओं का आधार नंबर, पता और फोटो अलग-अलग है लेकिन नाम, पिता का नाम और जन्मतिथि एक जैसी है। कर्नाटक में भी विधानसभा चुनाव से पहले 8 लाख से ज्यादा फर्जी नाम जोड़े गए थे, जिनमें से अधिकतर BJP को लाभ पहुंचाने वाले क्षेत्रों में थे। राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट की कई एंट्रियों की स्क्रीनशॉट दिखाकर यह सिद्ध करने की कोशिश की कि कैसे एक ही व्यक्ति अलग-अलग क्षेत्रों में वोट देने के लिए रजिस्टर्ड है।

'MITRAON KA DATA CHORI NETWORK' का जिक्र

राहुल गांधी ने कहा कि यह सब एक सुनियोजित योजना का हिस्सा है, जिसे उन्होंने नाम दिया – "मित्रों का डाटा चोरी नेटवर्क"। उन्होंने आरोप लगाया कि BJP समर्थित निजी कंपनियां लोगों का डाटा चुराकर और उससे छेड़छाड़ कर चुनाव आयोग को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि मतदाता सूचियों को निजी हाथों में सौंपा जा रहा है, और सरकारी एजेंसियां इसे रोकने के बजाय इस साजिश में भागीदार बन रही हैं।

चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, "EC को संविधान के मुताबिक निष्पक्ष और स्वतंत्र संस्था होना चाहिए, लेकिन आज वो BJP की शाखा बन चुकी है। जब हम वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की शिकायत करते हैं, तो कोई सुनवाई नहीं होती। डेटा साझा करने के नाम पर लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।" उन्होंने सवाल उठाया कि अगर आयोग निष्पक्ष होता तो इस स्तर की अनियमितताओं पर स्वत: संज्ञान लेता।

भविष्य की रणनीति: अदालत और जनता दोनों के दरवाज़े खटखटाएंगे

राहुल गांधी ने साफ किया कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर अदालत में जाएगी और साथ ही देशभर में एक जन आंदोलन भी शुरू किया जाएगा। "हम लोकतंत्र को इस तरह गिरवी नहीं रख सकते। हम कोर्ट भी जाएंगे, और लोगों के बीच भी। भारत के संविधान की रक्षा करना हमारा फर्ज़ है।"

BJP की प्रतिक्रिया

राहुल गांधी के इस बयान पर BJP ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी प्रवक्ता ने कहा, "राहुल गांधी हार का बहाना ढूंढ रहे हैं। हर चुनाव से पहले EVM, चुनाव आयोग और अब वोटर लिस्ट पर सवाल उठाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। उनके पास कोई ठोस सबूत नहीं है।" BJP नेताओं का कहना है कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और इस तरह के आरोप सिर्फ जनता को गुमराह करने की कोशिश है।

ट्रम्प की टैरिफ धमकी पर राहुल का वार: इकोनॉमिक ब्लैकमेल के आगे न झुके भारत

-मोदी रखें देशहित को सर्वोपरि

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर 50% टैरिफ लगाने की धमकी और सेकेंडरी सैंक्शन्स की चेतावनी के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे 'इकोनॉमिक ब्लैकमेल' बताते हुए कहा कि अमेरिका की धौंस के आगे झुकने की बजाय भारत को ठोस और आत्मसम्मान आधारित नीति अपनानी चाहिए।

ट्रम्प का टैरिफ गेम: राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा

भारत के मामले में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि 50% टैरिफ पहले ही तय है, और "अब बहुत कुछ बाकी है"। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत को सेकेंडरी सैंक्शन्स का सामना करना पड़ सकता है, खासकर अगर उसने रूस या ईरान जैसे देशों से ऊर्जा खरीदना जारी रखा। राहुल गांधी ने ट्रम्प की इस बयानबाज़ी को आर्थिक दबाव का हथकंडा करार देते हुए कहा, "यह इकोनॉमिक ब्लैकमेल है। अमेरिका अपने हितों को साधने के लिए भारत जैसे देशों को धमकाता है। हमें इस दबाव में नहीं आना चाहिए।"

राहुल का मोदी सरकार पर तंज

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि ट्रम्प की धमकियों के पीछे मोदी सरकार की कूटनीतिक विफलता है। "अगर आपने पिछले 10 सालों में भारत की विदेश नीति को आत्मनिर्भर और संतुलित दिशा दी होती, तो आज ट्रम्प जैसी बयानबाज़ी की अहमियत नहीं होती। लेकिन आपने विदेश नीति को इवेंट मैनेजमेंट और निजी रिश्तों तक सीमित कर दिया है," राहुल ने कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने अमेरिका के साथ संबंधों को "वन-साइडेड डील" में बदल दिया है, जहां भारत को आर्थिक नुकसान और दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि अमेरिका को एकतरफा फायदे मिलते हैं।

"जनता के हित सर्वोपरि होने चाहिए, न कि राजनीतिक अहंकार"

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को अब यह समझना चाहिए कि देशहित को निजी छवि और राजनीतिक कमजोरियों से ऊपर रखना होगा। "आप ट्रम्प के सामने चुप रहकर या झुककर देश को कमज़ोर कर रहे हैं। बेहतर होगा कि आप अपनी राजनीतिक कमजोरियों को देश की अर्थव्यवस्था और जनता के भविष्य पर हावी न होने दें।" उन्होंने सरकार से स्पष्ट नीति की मांग करते हुए कहा कि भारत को अमेरिका या किसी अन्य महाशक्ति के दबाव में अपनी ऊर्जा नीति, व्यापार नीति या विदेश नीति नहीं बदलनी चाहिए। भारत को अपनी रणनीति भारत के किसानों, व्यापारियों, और मध्यम वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए तय करनी चाहिए।

क्या हैं भारत के विकल्प?

राहुल गांधी ने यह भी सुझाव दिया कि भारत को वैकल्पिक व्यापार साझेदार ढूंढ़ने, घरेलू उद्योग को मजबूती देने और बहुपक्षीय मंचों पर अपनी आवाज़ बुलंद करने की दिशा में काम करना चाहिए। "हमारे पास ईरान, रूस, खाड़ी देश, ASEAN और अफ्रीका के साथ साझेदारी के विकल्प हैं। हमें अमेरिका पर निर्भरता खत्म करनी होगी।"राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत-अमेरिका संबंधों में नई चुनौतियाँ उभर रही हैं।

अमेरिका में 100 वर्षों का सबसे बड़ा टैरिफ हमला: हर नागरिक को ₹2 लाख सालाना नुकसान

-वैश्विक मंदी की आहट

वॉशिंगटन डीसी,(एजेंसी)। अमेरिका ने हाल ही में जिन नए टैरिफों (शुल्कों) की घोषणा की है, उन्हें पिछले 100 वर्षों में सबसे बड़ा शुल्कात्मक कदम माना जा रहा है। इन नीतियों का असर न सिर्फ अमेरिकी उपभोक्ताओं और कंपनियों पर पड़ेगा, बल्कि इसका असर वैश्विक व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी गहरा पड़ेगा। विशेषज्ञ इसे एक नए "ट्रेड वॉर" की शुरुआत मान रहे हैं, जो वैश्विक मंदी को तेज़ कर सकता है।

क्या है नया टैरिफ फैसला?

2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति प्रशासन ने चीन, वियतनाम, मैक्सिको और भारत से आयातित कई प्रमुख वस्तुओं – जैसे स्टील, इलेक्ट्रिक वाहन, माइक्रोचिप, दवा, सौर पैनल और वस्त्र आदि – पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की। इन टैरिफों की दरें 25% से बढ़ाकर कुछ मामलों में 100% तक कर दी गई हैं। इस नीति का तर्क है कि अमेरिकी इंडस्ट्री को चीन और अन्य देशों के "अनुचित व्यापार व्यवहार" से बचाना है। मगर विशेषज्ञ मानते हैं कि यह फैसला राजनीतिक दबाव और घरेलू चुनावी रणनीति के तहत लिया गया है।

उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ: सालाना ₹2 लाख का नुकसान

अमेरिका की टैरिफ नीति का सबसे सीधा असर वहां के आम नागरिकों पर पड़ा है। ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूट और हार्वर्ड विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन टैरिफों से हर अमेरिकी उपभोक्ता को औसतन सालाना $2,400 (लगभग ₹2 लाख) अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है।

यह नुकसान मुख्यतः निम्नलिखित कारणों से हो रहा है:

आयातित वस्तुएँ महंगी हो गई हैं

घरेलू उत्पादकों ने भी दाम बढ़ा दिए हैं

प्रतिस्पर्धा में गिरावट के चलते गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है

अमेरिकी कंपनियों पर दबाव और अनिश्चितता

अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग कंपनियाँ, जो चीनी कच्चे माल या सस्ते श्रम पर निर्भर थीं, अब टैरिफ की वजह से लागत बढ़ने से जूझ रही हैं।

उदाहरण के लिए: इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनियाँ अब चीन से बैटरियों की बजाय महंगे विकल्पों की तलाश कर रही हैं। फार्मास्युटिकल उद्योग को भारत से आने वाली दवाओं पर शुल्क लगने से नुकसान हो रहा है। टेक इंडस्ट्री को सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स की सप्लाई में देरी और महंगाई का सामना करना पड़ रहा है।

वैश्विक मंदी का खतरा बढ़ा

अमेरिका की टैरिफ नीति केवल घरेलू स्तर तक सीमित नहीं है। इसकी लहरें पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं।

मुख्य कारण: चीन, भारत, मैक्सिको जैसे देशों से निर्यात घटेगा।

आपूर्ति श्रृंखला बाधित होगी, जिससे निर्माण लागत वैश्विक स्तर पर बढ़ेगी।

वैश्विक व्यापार में गिरावट आएगी, जिससे GDP विकास दर प्रभावित होगी।

वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (WTO) का प्रभाव घटेगा और "टैरिफ वॉर" की संस्कृति बढ़ेगी। IMF और OECD जैसी संस्थाओं ने पहले ही चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका इसी तरह संरक्षणवादी नीतियाँ अपनाता रहा, तो वैश्विक विकास दर 0.5% तक गिर सकती है।

भारत पर असर: अवसर और चुनौतियाँ दोनों

भारत के लिए यह स्थिति दोहरी है। एक ओर, अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए गए टैरिफ के कारण भारत को वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत के रूप में देखा जा रहा है। इससे "मेक इन इंडिया" और निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। दूसरी ओर, यदि अमेरिका भारत से आने वाले फार्मा, टेक्सटाइल, स्टील या ऑटोमोबाइल उत्पादों पर भी टैरिफ लगाता है, तो भारतीय उद्योगों को झटका लगेगा। इसके अलावा, वैश्विक मंदी की स्थिति में भारत के आईटी, कृषि और सर्विस सेक्टर पर भी असर पड़ सकता है क्योंकि उनका बड़ा बाजार अमेरिका और यूरोप हैं।

राजनीति बनाम अर्थव्यवस्था

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की यह आक्रामक टैरिफ नीति अर्थव्यवस्था से ज़्यादा राजनीतिक कारणों से प्रेरित है। 2024 के चुनाव के बाद से अमेरिकी नेतृत्व घरेलू उद्योगों को लुभाने, बेरोजगारी को मुद्दा बनाने और चीन विरोधी माहौल को भुनाने के लिए टैरिफ कार्ड खेल रहा है। मगर अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इस तरह की संरक्षणवादी नीति अल्पकालिक फायदा तो देती है, मगर दीर्घकाल में महंगाई, मंदी और वैश्विक तनाव को जन्म देती है।

भारत पर ट्रंप का व्यापारिक वार: 50% टैरिफ के बाद अब सेकेंडरी सैंक्शन्स की चेतावनी

-भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर मंडराया संकट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर से वैश्विक व्यापार के मंच पर हलचल मचा दी है। इस बार उनके निशाने पर भारत है। ट्रम्प ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भारत पर अब तक 50% टैरिफ लगाया जा चुका है, लेकिन "अभी बहुत कुछ बाकी है।" साथ ही, उन्होंने सेकेंडरी सैंक्शन्स यानी द्वितीयक प्रतिबंधों की चेतावनी देकर भारत की आर्थिक नीतियों पर सीधा दबाव बनाने की कोशिश की है।

क्या है ट्रम्प की टैरिफ नीति?

टैरिफ यानी आयात शुल्क किसी देश द्वारा दूसरे देश से आयातित वस्तुओं पर लगाया गया कर होता है। ट्रम्प प्रशासन पहले भी चीन, मेक्सिको और यूरोपीय देशों के खिलाफ कड़े टैरिफ लगा चुका है। उनकी "अमेरिका फर्स्ट" नीति के तहत वो अमेरिका के घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने के नाम पर आयातित वस्तुओं को महंगा कर देते हैं, जिससे अमेरिकी कंपनियों को प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिल सके। भारत पर ट्रम्प ने जो 50% तक टैरिफ लगाया है, वह खासतौर पर इस्पात, एल्युमिनियम, टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में लागू हुआ है। ट्रम्प का दावा है कि भारत "अनुचित व्यापार लाभ" ले रहा है और अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचा रहा है।

सेकेंडरी सैंक्शन्स: भारत के लिए नई चिंता

टैरिफ के अलावा ट्रम्प ने जो दूसरी बड़ी चेतावनी दी है, वह सेकेंडरी सैंक्शन्स की है। सेकेंडरी सैंक्शन्स का मतलब है कि अमेरिका उन देशों पर भी प्रतिबंध लगा सकता है जो अमेरिका के दुश्मन माने जाने वाले देशों (जैसे ईरान, रूस या चीन) के साथ व्यापार कर रहे हों। भारत की रूस और ईरान के साथ ऊर्जा, रक्षा और व्यापार संबंधी डील्स को देखते हुए यह चेतावनी बेहद गंभीर मानी जा रही है। खासकर अगर अमेरिका भारत को मजबूर करता है कि वह रूस से तेल या हथियार ना खरीदे, तो भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता पर सीधा असर पड़ सकता है।

भारत पर असर: आयात महंगा, उद्योग प्रभावित

टैरिफ और संभावित सैंक्शन्स से भारत के उद्योगों पर कई प्रकार के प्रभाव देखने को मिल सकते हैं: निर्यात घटेगा: अमेरिकी बाजार में भारतीय वस्तुएं महंगी हो जाएंगी, जिससे भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मकता कम होगी। रोजगार पर असर: विशेषकर टेक्सटाइल और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में जहां लाखों लोग कार्यरत हैं, वहां छंटनी की स्थिति बन सकती है। रुपये पर दबाव: अमेरिकी प्रतिबंधों की आशंका से विदेशी निवेश घट सकता है, जिससे रुपया कमजोर होगा। वैकल्पिक बाजार की तलाश: भारत को यूरोप, अफ्रीका, ASEAN देशों की ओर व्यापार विस्तार करना होगा।

प के बयानों के पीछे की राजनीति

यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 2024 के बाद फिर से सत्ता को लेकर अस्थिरता बनी हुई है और ट्रंप वापसी की रणनीति में व्यस्त हैं। ट्रम्प का यह बयान आंतरिक अमेरिकी राजनीति को साधने और "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" एजेंडे को फिर से ज़िंदा करने का प्रयास हो सकता है। भारत के साथ सख्ती दिखाकर ट्रम्प उन अमेरिकी वोटरों को संदेश देना चाहते हैं जो मानते हैं कि विदेशी उत्पादों ने अमेरिकी नौकरियों को छीन लिया है।

भारत की प्रतिक्रिया: रणनीतिक संतुलन ज़रूरी

भारत सरकार ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन कूटनीतिक हलकों में इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। भारत के लिए ज़रूरी है कि: कूटनीतिक वार्ता तेज की जाए: भारत को अमेरिकी प्रशासन के साथ पीछे के दरवाज़े से संवाद स्थापित करके प्रतिबंधों को टालने की कोशिश करनी चाहिए। विविधता लाने की नीति: भारत को चीन की तरह निर्यात विविधीकरण और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा। वैश्विक मंचों पर समर्थन जुटाना: WTO, BRICS, G20 जैसे मंचों का उपयोग कर भारत को अमेरिकी संरक्षणवाद के खिलाफ मोर्चा बनाना होगा।

दबाव का दौर, लेकिन रास्ता भी है

डोनाल्ड ट्रम्प की धमकियों और टैरिफ नीति ने भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव बढ़ा दिया है। लेकिन भारत के पास भी कई रणनीतिक और कूटनीतिक विकल्प मौजूद हैं। यह वक्त है जब भारत को न सिर्फ अपनी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी लानी चाहिए, बल्कि वैश्विक साझेदारियों को और गहरा करके अमेरिकी दबाव का सामरिक और आर्थिक संतुलन से जवाब देना चाहिए।

मोदी का सख्त संदेश: किसानों और पशुपालकों के हितों से समझौता नहीं होगा

- अमेरिका के दबाव पर चुकानी पड़ सकती है कीमत

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में एक जनसभा को संबोधित करते हुए किसानों और पशुपालकों को स्पष्ट संदेश दिया कि उनके हितों से किसी भी सूरत में समझौता नहीं किया जाएगा। हालाँकि उन्होंने अमेरिका द्वारा दबाव बनाए जाने या टैरिफ (शुल्क) की प्रत्यक्ष चर्चा नहीं की, लेकिन उनका इशारा साफ था—भारत पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है, खासकर कृषि और डेयरी सेक्टर में विदेशी कंपनियों को प्रवेश देने के लिए। मोदी ने कहा, "हमारी धरती, हमारे खेत, हमारी गाय-भैंस और हमारे अन्नदाता सिर्फ व्यापार का साधन नहीं हैं, ये हमारी संस्कृति, हमारी आत्मा और हमारी पहचान हैं। कोई भी समझौता जो इनकी सेहत या आत्मनिर्भरता को चोट पहुँचाए, वह किसी भी कीमत पर मंज़ूर नहीं। इसकी कीमत चाहे जो भी चुकानी पड़े, हम अपने किसानों और पशुपालकों के साथ खड़े रहेंगे।"

अमेरिका चाहता है कृषि और डेयरी सेक्टर में सीधी एंट्री

सूत्रों के अनुसार, अमेरिका लगातार भारत पर दबाव बना रहा है कि वह अपने कृषि और डेयरी बाज़ार को विदेशी निवेश और अमेरिकी उत्पादों के लिए खोले। विशेष रूप से, अमेरिकी डेयरी उत्पाद और अनाज कंपनियाँ भारत में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती हैं। परंतु भारत के घरेलू किसान संगठन और सहकारी डेयरी संस्थान इसके खिलाफ हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोबारा राष्ट्रपति पद की दौड़ में उतरते हुए भारत पर टैरिफ बढ़ाने और सेकेंडरी सैंक्शन्स लागू करने की चेतावनी दी है। माना जा रहा है कि अमेरिकी प्रशासन आने वाले महीनों में व्यापार समझौतों में "बड़े बदलाव" चाहता है।

लोकल किसानों की चिंता और सरकार की रणनीति

मोदी सरकार यह समझती है कि कृषि और पशुपालन भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। भारत में लगभग 60% जनसंख्या कृषि या उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है। यदि विदेशी कंपनियों को इन क्षेत्रों में बड़ी एंट्री मिलती है, तो यह न केवल छोटे किसानों और पशुपालकों के लिए नुक़सानदेह होगा बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा पर भी प्रश्नचिह्न लग सकता है। मोदी ने कहा, "हमारा किसान नई तकनीक चाहता है, लेकिन किसी विदेशी कंपनी की दया पर नहीं। हम आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो उसमें गांव, किसान, गाय और गंगा की महक होनी चाहिए। विदेशी दबाव में आकर कोई भी ऐसा कदम नहीं उठाएंगे जिससे हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था चरमरा जाए।"

विपक्ष और विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया

विपक्षी दलों ने मोदी के बयान को "राजनीतिक" करार देते हुए कहा है कि सरकार ने पहले ही कई ऐसे समझौते किए हैं जो किसानों के हितों के खिलाफ जाते हैं। वहीं, व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक दबावों से बचना आसान नहीं होगा। एक वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय व्यापार विश्लेषक ने कहा, "भारत को सामरिक संतुलन बनाए रखना होगा। अगर अमेरिकी दबाव बहुत ज़्यादा बढ़ता है, तो भारत को अपने कृषि-टैरिफ ढांचे पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है, लेकिन फिलहाल सरकार की रणनीति घरेलू हितों की रक्षा करना ही है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,